लखनऊ

शुक्रवार, 11 जुलाई, 2025

वर्ष : 10 | अंक: 354

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक आर्यावर्त क्रांति

जन्म देने वाले माता पिता से अध्यापक कहीं अधिक सम्मान के पात्र हैं, क्योंकि माता पिता तो केवल जन्म देते हैं, लेकिन अध्यापक उन्हें शिक्षित बनाते हैं, माता पिता तो केवल जीवन प्रदान करते हैं, जबकि अध्यापक उनके लिए बेहतर जीवन को सुनिश्चित करते हैं। - अरस्तू

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
37°	26°
Hi	Low

संक्षेप

दोस्त को उधार में दिए थे 2,000 रुपये, वापस मांगने पर चाकू घोंपकर हत्या

नईदिल्ली। दिल्ली में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के जाफराबाद इलाके में एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई है। मृतक 23 वर्षीय फरदीन है। घटना बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात 12:10 बजे उस हुई जब फरदीन ने आरोपी आदिल से अपने पैसे मांगे थे। दोनों आपस में दोस्त बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपी आदिल, उसके भाई कामिल और उनके पिता शकील को गिरफ्तार कर लिया है। कामिल और शकील पर उकसाने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि आदिल ने कुछ समय पहले फरदीन से 2,000 रुपये उधार लिए थे। उसने छोटे-मोटे खर्चों की बात कहकर पैसे वापस लिए थे और जल्द लौटाने की बात कही थी। काफी दिनों तक आदिल के पैसे न लौटाने पर फरदीन परेशान हो गया। उसने बुधवार की रात को आदिल को फोन कर पैसे देने के लिए कहा। रात 12 बजे के बाद आदिल फरदीन से मिलने के लिए पहुंचा तो चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि जब आदिल फरदीन से मिलने के लिए आया था, तब फरदीन अपने एक अन्य दोस्त जावेद के साथ खड़ा था। जावेद ने बताया कि आदिल के साथ उसके पिता और भाई भी आए थे, जब आदिल और फरदीन की बहस होने लगी तो उन दोनों ने आदिल को चाकू मारने के लिए उकसाया था। आदिल ने जावेद के भी हाथ और नाक पर चाकू मारा, जिससे वह घायल हो गया। तीनों के खिलाफ मामला दर्ज है।

मणिपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बड़ी संख्या में हथियार किए बरामद

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस की टीम को अलग-अलग अभियानों में बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों और पुलिस ने संयुक्त रूप से चलाए गए अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद समेत संदिग्ध पदार्थ बरामद किया है। इसके अलावा, अलग-अलग मामलों में कई लोगों की गिरफ्तारी भी की गई है। मणिपुर पुलिस के अनुसार, बिष्णुपुर जिले के मोइरांग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत उयुंगमाखोंग क्षेत्र में 9 जुलाई को सुरक्षा बलों ने तलाशी और क्षेत्र नियंत्रण अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान एक एके-56 राइफल (खाली मैगजीन के साथ), एक .303 राइफल (खाली मैगजीन के साथ), एक डबल बैरल बंदूक (डीबीबीएल), .303 की 10 जिंदा गोलियां और 7.62 मिमी की 10 जिंदा गोलियां बरामद की गई हैं। इसके अलावा, फौगाकचाओ इकाई पुलिस स्टेशन के अंतर्गत दोपकोन और नगानुकोन गांवों के बीच के क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने 9 जुलाई को तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एक .303 लाइट मशीन गन (एलएमजी), दो सिंगल बैरल बंदूकें, एक .303 खाली मैगजीन, 12 बोर के सात जिंदा कारतूस और चार आईईडी को बरामद किया है, जिनका वजन लगभग 3.9 किलोग्राम था। मणिपुर पुलिस ने बताया कि पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने हेरोइन और ब्राउन शुगर को बरामद किया है। मणिपुर पुलिस के मुताबिक, 9 जुलाई को मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने तुपुल पुल पर चुराचांदपुर से कांगपोकपी की ओर आ रहे एक चार-पहिया वाहन को रोका। वाहन की तलाशी में 196 साबुन के डिब्बों में संदिग्ध हेरोइन और ब्राउन शुगर को बरामद किया है।

बिहार मतदाता सूची संसोधन पर 'सुप्रीम' आदेश

'आधार, राशन और वोटर कार्ड शामिल करने पर विचार करे चुनाव आयोग'

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। लंबी बहस के बाद सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिए कि वह पुनरीक्षण के लिए जरूरी दस्तावेजों में आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर कार्ड को शामिल करने पर विचार करे। साथ ही तीन मुद्दों पर जवाब दाखिल करे। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई की अगली तारीख 28 जुलाई तय की है।

सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर रोक नहीं लगाई है, क्योंकि याचिकाकर्ताओं ने अंतरिम रोक की मांग नहीं की है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने कहा कि हम सांविधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसे करना चाहिए। कोर्ट ने चुनाव आयोग को अपना हलफनामा दायर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। वहीं याचिकाकर्ताओं को उसके एक सप्ताह बाद जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने तीन मुद्दों पर मांगा जवाब

सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग से तीन मुद्दों पर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के वकील से कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि अदालत के समक्ष जो मुद्दा है वह लोकतंत्र की जड़ और मतदान के अधिकार से जुड़ा है। याचिकाकर्ता न केवल चुनाव आयोग के मतदान कराने के अधिकार को चुनौती दे रहे हैं, बल्कि इसकी प्रक्रिया और समय को भी चुनौती दे रहे हैं। इन तीन मुद्दों पर जवाब देने की जरूरत है।

> **पुनरीक्षण को बिहार चुनाव से क्यों जोड़ रहेः सुप्रीम कोर्ट**
>
> इससे पहले सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने चुनाव आयोग के वकील से कहा कि आप इस प्रक्रिया को नवंबर में होने वाले चुनाव से क्यों जोड़ रहे हैं? यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो पूरे देश के चुनाव से स्वतंत्र हो सकती है। इस पर चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सुनवाई का अवसर दिए बिना किसी को भी मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा।

'मतदाताओं के बिना चुनाव आयोग का अस्तित्व नहीं'

चुनाव आयोग के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग एक सांविधानिक संस्था है जिसका मतदाताओं से सीधा संबंध है और अगर मतदाता ही नहीं होंगे तो हमारा अस्तित्व ही नहीं है। आयोग किसी को भी मतदाता सूची से बाहर करने का न तो इरादा रखता है और न ही कर सकता है, जब तक कि आयोग को क़ानून के प्रावधानों द्वारा ऐसा करने के लिए बाध्य न किया जाए। हम धर्म, जाति आदि के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकते।

आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं: चुनाव आयोग

मतदाता सत्यापन के लिए जरूरी दस्तावेजों से आधार कार्ड को बाहर रखने पर चुनाव आयोग ने कहा कि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा कि आप मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण में नागरिकता के मुद्दे को क्यों उठा रहे हैं? यह गृह मंत्रालय का अधिकार क्षेत्र है। अगर आपको पुनरीक्षण के जरिये नागरिकता की जांच करनी थी तो आपको यह पहले करना चाहिए था। इसमें अब बहुत देर हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि परेशानी पुनरीक्षण प्रक्रिया से नहीं है। बल्कि दिक्कत इसके लिए चुने गए समय से है। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि इस गहन प्रक्रिया में कुछ भी गलत नहीं है ताकि गैर-नागरिक मतदाता सूची में न रहें, लेकिन यह इस चुनाव से पहले होना चाहिए। न्यायमूर्ति धूलिया ने कहा कि एक बार मतदाता सूची को अंतिम रूप दे दिया जाए और अधिसूचित कर दिया जाए और उसके बाद चुनाव हों तो कोई भी अदालत उसमें हाथ नहीं डालेगी। इससे पहले न्यायमूर्ति धूलिया ने चुनाव आयोग के वकील से कहा कि नागरिकता के लिए प्रक्रिया में साक्ष्यों का कड़ाई से मूल्यांकन किया जाना चाहिए। इसके लिए अर्ध-न्यायिक प्राधिकार होना चाहिए।

जीओम-4 मिशन में शामिल शुभांशु शुक्ला की धरती पर वापसी में हो सकती है देरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला इन दिनों जीओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद हैं। यह मिशन 25 जून 2025 को अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए लॉन्च हुआ था। शुभांशु शुक्ला के साथ इस मिशन में कमांडर पेगी व्हिटसन (अमेरिका), स्लावोस उज़नान्स्की-विस्निव्स्की (पोलैंड) और टिबोर कपु (हंगरी) शामिल हैं। मिशन के तहत यह टीम 12 दिनों के लिए ह्वुस्र पर भेजी गई थी, लेकिन अब इनकी वापसी में 3-4 दिन की देरी हो सकती है। यूरोपियन स्पेस एजेंसी (श्वस्र) ने संकेत दिया है कि ्र&द्बशद्ब-4 मिशन की वापसी 14 जुलाई 2025 से पहले संभव नहीं है।

जीओम-4 क्रू स्पेसएक्स के 'ड्रैगन कैप्सूल ग्रेस' में लौटेगा, जो फ्लोरिडा तट के पास अटलांटिक महासागर या मैक्सिको की खाड़ी में स्प्लैशडाउन करेगा। लेकिन फिलहाल उस क्षेत्र में तेज हवाएं, बारिश और संभावित तूफान की आशंका बनी हुई है। ऐसे में स्प्लैशडाउन सुरक्षित नहीं माना जा रहा, जिससे वापसी की तारीख आगे बढ़ाई गई है।हाल ही में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के रूसी मॉड्यूल 'ज़व्ज़ेदा' में प्रेशर लीक की समस्या सामने आई थी। नासा और रूसी एजेंसी रोस्कोस्मोस ने इसकी मरम्मत की, लेकिन मरम्मत के बाद फिर से एक नया प्रेशर सिग्नल मिला है, जिसे लेकर जांच जारी है।

पांच देशों की सफल यात्रा के बाद दिल्ली लौटे पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा के बाद गुरुवार को भारत लौट आए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम मोदी की यह यात्रा सफल रही है। पीएम मोदी ने पांच देशों की अपनी यात्रा में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। उन्होंने अब तक 17 विदेशी संसदों में भाषण दिए, जो कांग्रेस के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के कुल रिकॉर्ड के बराबर है।

उन्होंने यह उपलब्धि जुलाई 2025 के पहले सप्ताह में घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और नामीबिया में दिए हाल ही के भाषणों के साथ हासिल की है। इस वैश्विक सक्रियता से पता चलता है कि पीएम मोदी भारत के सबसे सक्रिय नेताओं में से एक हैं। कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्रियों ने कई दशकों में यह उपलब्धि हासिल की थी, जिनमें मनमोहन सिंह ने सात बार, इंदिरा गांधी ने चार बार, जवाहरलाल नेहरू ने तीन, राजीव गांधी ने दो और पी.वी. नरसिम्हा राव ने एक बार भाषण दिया था। पीएम मोदी ने सिर्फ एक दशक से अधिक समय में यह संख्या हासिल कर ली, जो भारत के कूटनीतिक दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाता है। उनकी हाल की यात्रा न केवल अफ्रीका और कैरिबियन देशों के साथ भारत के नए संबंधों को दर्शाती है, बल्कि ग्लोबल साउथ में भारत की आवाज की गूंज को भी उजागर करती है। पीएम मोदी को घाना में 'ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित किया गया, जो 30 साल से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा थी। इसके अलावा, ब्राजील ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस' से नवाजा। पिछले शुक्रवार को पीएम मोदी को त्रिनिदाद एंड टोबैगो की दो दिवसीय यात्रा के दौरान 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो' सम्मान से सम्मानित किया गया था। वे यह सम्मान प्राप्त करने वाले पहले विदेशी नेता बने हैं। प्रधानमंत्री मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एंशिएंट वेल्वित्चिया मिराबिलिस' से भी सम्मानित किया गया था। यह पीएम मोदी का 27वां वैश्विक सम्मान है, जो इस पांच देशों की यात्रा के दौरान मिला था। त्रिनिदाद एंड टोबैगो में उन्होंने भारतीयों के आगमन के 180 साल पूरे होने के उत्सव के दौरान संसद को संबोधित किया था। उन्होंने अपने संबोधन में विकासशील देशों के प्रति भारत के निरंतर समर्थन का जिक्र किया था। त्रिनिदाद एंड टोबैगो में वे 1968 में भारत द्वारा तोहफे में दी गई स्पीकर की कुर्सी के सामने खड़े थे, जिसे उन्होंने समय की कसौटी पर खरी उतरने वाली दोस्ती का प्रतीक बताया।

'मणिपुर में बेघर लोगों के लिए घर बनाने का टेंडर नहीं निकला', कांग्रेस ने आरोप के साथ जांच की मांग की

इंफाल। मणिपुर में विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बेघर लोगों के लिए बनाए जा रहे प्री-फैब्रिकेटेड (तैयार ढांचे वाले) घरों के निर्माण में कोई टेंडर (निविदा) नहीं निकाली गई। कांग्रेस ने इस मामले की पूरी जांच कराने की मांग की है। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष केशम मेघचंद्र ने बुधवार को विष्णुपुर जिले में दो निर्माण स्थलों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों जगहों पर बिना किसी सरकारी आदेश या टेंडर के ही निर्माण कार्य चल रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया, 'यह काम आधिकारिक रूप से नहीं हो रहा है। हम मांग कर रहे हैं कि जांच की जाए कि बिना टेंडर के ये घर कैसे बनाए जा रहे हैं। इससे साफ पता चलता है कि सैकड़ों करोड़ रुपये की गड़बड़ी हो रही है।'

किसी बिचौलिये के जरिए पैसे न दिए जाएं- केशम मेघचंद्र

केशम मेघचंद्र, जो वांगखेम विधानसभा सीट से विधायक भी हैं, ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार

मेरा इरादा सही था, लेकिन तरीका गलत, कैंटीन में मारपीट पर विधायक संजय गायकवाड़ की सफाई

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने मुंबई के एक कैंटीन में खराब खाना मिलने पर कर्मचारी को ही थप्पड़ मार दिया था, जिस पर अब उन्होंने अपनी सफाई दी। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि उनका इरादा सही था, लेकिन तरीका गलत था। उन्होंने बताया कि पिछले कई साल से होटल में गंदगी और खराब खाने की शिकायतें थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे होटल मालिकों का हौसला बढ़ गया था। उन्होंने कहा, मैं बाहर का खाना नहीं खाता, लेकिन इस होटल में खाने के बाद मुझे स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हुई। खाना खराब था, जिससे मेरा गुस्सा भड़क गया। मेरी प्रतिक्रिया गलत थी, लेकिन मकसद सही था।

उन्होंने दावा किया कि उनकी कार्रवाई के बाद 95 फीसदी लोग इसे सही मान रहे हैं। उनकी इस पहल से महाराष्ट्र भर के होटल मालिकों ने अपने प्रतिष्ठानों की सफाई शुरू कर दी है। उन्होंने सरकार से मांग की कि होटल में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए बीमा, पहचान पत्र और हर तीन महीने में मेडिकल जांच अनिवार्य हो। साथ ही, होटलों में साफ-सफाई और खाने की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम लागू किए जाएं। उन्होंने कहा, कोई इस मुद्दे पर आगे नहीं आ रहा था। मैंने बिल्ली के गले में घंटी बांधने का काम किया। दरअसल, शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वे मुंबई में एक कैंटीन कर्मचारी को थप्पड़ मारते हुए दिखाई दिए। गायकवाड़ ने गुरुवार को मुंबई में होने वाले सिंदूर ब्रिज के उद्घाटन की भी बात की। उन्होंने कहा कि यह ब्रिज 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित है। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने आतंकवादियों को चुन-चुनकर मारा था। उन्होंने बताया, पाकिस्तान ने हमारी महिलाओं का सिंदूर छीन लिया था। उसी का बदला ऑपरेशन सिंदूर था। इसकी याद में मुख्यमंत्री ने इस ब्रिज का नाम सिंदूर रखा है।

विजय देवरकोंडा से राणा दग्गुबाती तक... सट्टेबाजी के मामले में बढ़ी 29 सेलेब्रिटीज की मुश्किलें, ईडी करेगी पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। बेटिंग ऐप यानी सट्टेबाजी से जुड़े मनी लॉनड्रिंग के सिलसिले में 29 सेलिब्रिटीज पर ईडी ने मामला दर्ज किया है। इस मामले में 29 सेलेब्रिटीज के खिलाफ जांच शुरू की गई है। इन सेलिब्रिटी पर आरोप है कि इस सट्टेबाजी वाले अवैध ऐप का विज्ञापन/प्रचार प्रसार किया गया था। जिन प्रमुख हस्तियों के नाम सामने आए हैं, उनमें विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, मंचू लक्ष्मी, प्रकाश राज, निधि अग्रवाल, अनन्या नगल्ला, श्रीमुखी शामिल हैं।

ईडी की कार्रवाई हैदराबाद साइबराबाद पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई है। इन सेलेब्रिटीज पर आरोप है कि उन्होंने कथित रूप से इस अवैध बेटिंग ऐप को प्रमोट किया था या इसके माध्यम से लेन-देन में शामिल थे। मामले में मनी लॉनड्रिंग और अवैध सट्टेबाजी से जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है। ईडी अब इन सभी हस्तियों से पूछताछ कर सकती है और उनके बैंक लेन-देन की भी जांच करेगी। शिकायत में कहा गया था कि इस स्कैम में मोटा पैसा लगा हुआ है। जब ये मामला सामने आया था तो साउथ एक्टर और हिंदी सिनेमा में विलेन की भूमिका निभाने के लिए मशहूर प्रकाश राज ने स्वीकार किया कि उन्होंने 2015 में एक ऐसे विज्ञापन में काम किया था, लेकिन एक साल के अंदर ही इस डील से बाहर आ गए थे। वहीं 'राणा नायडू' फेम राणा दग्गुबाती की टीम ने भी साफ किया था कि उनका एंडोर्समेंट डील सभी कानूनों के तहत था और वह किसी भी अवैध डील में शामिल नहीं हुए थे।

दिल्ली-एनसीआर में सुबह-सुबह कांपी धरती

10 सेकंड तक लोगों में दहशत, झज्जर बना भूकंप का केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए गुरुवार की सुबह सामान्य नहीं रही। जैसे ही घड़ी ने सुबह 9:04 का समय दिखाया, अचानक ज़मीन कांपने लगी। घरों की दीवारें हिलने लगीं, खिड़कियों के शीशे झनझनाने लगे और लोग हैरान-परेशान सड़कों की ओर दौड़ पड़े। भूकंप के ये झटके इतने तीव्र थे कि करीब 10 सेकंड तक राजधानी और उसके आसपास के इलाके दहलते रहे। दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद, झज्जर, भिवानी और बहादुरगढ़ जैसे शहरों में कंपन साफ महसूस किया गया। भूकंप विज्ञान केंद्र ने पुष्टि की कि इसका केंद्र हरियाणा के झज्जर जिले में था और इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.4 मापी गई। भूकंप का केंद्र झज्जर से 10 किलोमीटर उत्तर में था, जहां झटकों की तीव्रता सबसे ज़्यादा महसूस की गई।

झज्जर में सुबह के कुछ ही मिनटों में दो बार भूकंप के झटके लगे। पहला झटका 9:07 बजे महसूस किया गया और दूसरा 9:10 बजे, हालांकि यह थोड़ा हल्का था। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि धरती कांपी और कुछ स्थानों पर दीवारों में महीन दरारें तक दिखाई दीं। इस दौरान लोग भयभीत हो गए और घरों-दफ्तरों से निकलकर खुले स्थानों की ओर भागे। राजधानी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों जैसे रोहिणी, द्वारका, साकेत, मयूर विहार और सिविल लाइंस में भी लोग दहशत में बाहर निकल आए। गाजियाबाद और नोएडा के कुछ स्कूलों में बच्चों को तुरंत मैदान में ले जाया गया। वहीं, गुरुग्राम की कई मल्टीनेशनल कंपनियों में काम रोक दिया गया और कर्मचारियों को बाहर लाया गया। एक प्राइवेट कंपनी में काम करने वाली पूजा मेहरा ने बताया कि जैसे ही झटका महसूस हुआ, दफ्तर की दीवारें हल्की-हल्की हिलने लगीं, सभी को नीचे उतरने को कहा गया और पूरे स्टाफ ने पार्किंग में शरण ली। भूकंप आने के बाद लोगों के मन में यह सवाल भी उठने लगा कि ये बार-बार झटके क्यों आते हैं? इसका वैज्ञानिक कारण समझाया जाए तो पृथ्वी की सतह सात बड़ी टेक्टोनिक प्लेटों से बनी होती है, जो लगातार गति में रहती हैं। जब ये प्लेटें एक-दूसरे से टकराती हैं या उनके किनारे आपस में रगड़ खाते हैं, तो दबाव बढ़ने लगता है। यह दबाव वर्षों तक बनता रहता है और जब सहनशीलता से अधिक हो जाता है तो प्लेटें टूट जाती हैं। इस टूटन से जो ऊर्जा निकलती है, वह ज़मीन की सतह तक पहुंचती है और कंपन पैदा करती है, जिसे हम भूकंप के रूप में महसूस करते हैं। भूकंप की तीव्रता और प्रभाव का एक और महत्वपूर्ण पहलू उसका केंद्र होता है। जिस स्थान के ठीक नीचे टेक्टोनिक प्लेटों में हलचल होती है, उसे भूकंप का केंद्र कहा जाता है। यही वह जगह होती है जहां पर कंपन सबसे अधिक महसूस होते हैं।

अहमदाबाद हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट इस हफ्ते होगी जारी, बोइंग करेगी मलबे की जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे की पहली प्रारंभिक रिपोर्ट इसी हफ्ते सार्वजनिक की जाएगी। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने 8 जुलाई को नागरिक उड्डयन मंत्रालय को ये रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट में कोई निष्कर्ष नहीं होगा, केवल प्रारंभिक जांच से जुड़ी जानकारी ही होगी। वहीं, एएआईबी अधिकारियों ने संसदीय समिति को बताया कि वे विमान के मलबे के कुछ हिस्सों को मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) को भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

एएआईबी के महानिदेशक जीवीजी युगंधर ने बताया कि रिपोर्ट तैयार होने के बाद इसे नागरिक उड्डयन मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा और जनता के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार, एएआईबी को दुर्घटना के 30 दिनों के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी करनी होती है। एएआईबी ने अब तक इंजन में खराबी या किसी अन्य तकनीकी समस्या को हादसे का जिम्मेदार माना है।

रिपोर्टके अनुसार, एएआईबी ने संसदीय समिति को बताया है कि ब्लैक बॉक्स की सफलतापूर्वक बरामदगी के बाद सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें अलग-अलग विमानों में ले जाया गया। एएआईबी ने ब्लैक बॉक्स के डेटा का विश्लेषण करने के लिए जरूरी उपकरण दिए हैं। हर जानकारी का तकनीकी मापदंडों के साथ मिलान किया जा रहा है और एटीसी के साथ समन्वय किया जा रहा है। विमान निर्माता कंपनी बोइंग सहित अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों से सहायता मांगी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जांचकर्ता एयर इंडिया दुर्घटना मामले में इंजन ईंधन नियंत्रण स्विच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। संभावना जताई गई है कि कॉकपिट में ईंधन नियंत्रण स्विच गलत तरीके से लगे हों। इन स्विचों में 2 सेटिंग्स होती हैं- रन और कटऑफ। विमान अगर हवा में है और स्विच को रन से कटऑफ पर कर दिया गया, तो इंजन में ईंधन आना बंद हो जाएगा और वह तुरंत बंद हो जाएगा।

मां का मुस्लिम बॉयफ्रेंड, बेटी को दलित लड़के से प्यार... रोड़ा बना पिता तो कर बैठी ये खौफनाक हरकत

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ से दिल को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक महिला ने बेटी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या करवा डाली। कारण था प्रेम संबंध। दरअसल, मां का चक्कर एक मुस्लिम युवक से चल रहा था। वहीं, बेटी का भी बॉयफ्रेंड था, जो कि दलित था। पिता इस रिश्ते के खिलाफ था। वो नहीं चाहता था कि उसकी बेटी दलित लड़के से शादी करे। इसलिए बेटी और मां ने मिलकर उल्टा उसे ही मरवा डाला।

मामला जानी इलाके का है। यहां किसान सुभाष उपाध्याय की हत्या उसकी बेटी सोनम ने अपने प्रेमी विपिन, मां कविता और मां के प्रेमी गुलजार के साथ मिलकर हत्या कर डाली। सुभाष की हत्या की बड़ी वजह उसकी बेटी सोनम की आशिकी थी। सोनम को दलित लड़के विपिन से मोहब्बत हो गई। इसी मोहब्बत में पिता सुभाष उपाध्याय रोड़ा बना हुआ था।

उधर, सुभाष की पत्नी कविता का भी मुस्लिम युवक गुलजार से अफेयर चल रहा था। वो भी पति से छुटकारा चाहती थी। कविता भी बेटी के साथ इस हत्याकांड में शामिल हुई और पति की हत्या करवा डाली। पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। आरोपियों में कविता, सोनम, गुलजार, विपिन और एक अन्य युवक असगर शामिल है।

2 साल पहले शुरू हुई थी सोनम की लव स्टोरी

सुभाष की बेटी सोनम BA फाइनल ईयर की छात्रा है और मेरठ के कनोहर लाल पीजी कॉलेज में पढ़ती है। दो साल पहले सोनम-विपिन की लवस्टोरी शुरू हुई। विपिन कंकरखेड़ा का रहने वाला है। यहां कनोहर लाल गर्ल्स कॉलेज के पास एक दूध की दुकान पर काम करता है। आते-जाते वक्त उसने सोनम को देखा। सोनम भी विपिन को देखकर इंप्रेस हो गई। दोनों में थोड़ी बातचीत हुई। इसके बाद दोनों एक दूसरे को सोशल मीडिया पर फॉलो करने लगे। फिर दोनों लंबी-लंबी चैटिंग करने लगे। चैटिंग के बाद फोन पर बातचीत होती और मिलने-जुलने भी लगे।

पोल खुली तो पिता ने डांटा, बेटी भी जिद पर अड़ी

अप्रैल 2025 में सोनम के अफेयर की जानकारी उसके पिता को हो गई। पिता ने उसे डांटा तो पिता सोनम अड़ गई कि वो विपिन से ही शादी करेगी। लेकिन, पिता ने दलित युवक से शादी कराने से इनकार कर दिया। उसने कहा कि वो जल्दी सोनम की शादी अपनी जान पहचान के लड़के से कराएगा। सोनम पिता को मनाने की कोशिश करने लगी। मगर जब लगा कि बात नहीं बनेगी तो उसने पिता को रास्ते से हटाने का फैसला लिया।

गैर बिरादरी में बेटी की शादी नहीं करवाना चाहता था

मगर दिक्कत ये थी कि विपिन-सोनम दोनों ही अलग-अलग बिरादरी के हैं। सोनम जानती थी कि उसके पिता सुभाष दलित लड़के के साथ रिश्ते के लिए कभी हां नहीं करेंगे। क्योंकि उसकी बड़ी बहन डॉली ने मार्च 2025 में एक दलित टेंपू चालक के साथ भागकर शादी कर ली। इस रिश्ते के लिए भी सुभाष कभी राजी नहीं था। सोनम ने तब ठान लिया कि पिता नहीं माने को वो विपिन के साथ भागकर शादी कर लेगी।

मां के साथ मिलकर पिता को ही मरवा डाला

उधर, सोनम जानती थी कि उसकी मां कविता का भी मुस्लिम युवक से अफेयर है। कविता भी अपनी मुस्लिम प्रेमी के साथ रहने के लिए पति सुभाष को रास्ते से हटाना चाह रही थी। फिर मां-बेटी ने अपने-अपने प्रेमी के साथ मिलकर मर्डर की प्लानिंग की। वो अप्रैल से ही ताक में थी कि सुभाष को रास्ते से कैसे हटाया जाए। इस काम में उसने अपनी मां कविता, अपने प्रेमी विपिन, मां के प्रेमी गुलजार और विपिन के दोस्त असगर की मदद ली और सुभाष की हत्या करवा डाली। फिलहाल सभी आरोपी जेल में हैं। मामले में आगामी कार्रवाई जारी है।

सात फेरों से पहले दूल्हे के बहनोई ने कर दी ऐसी हरकत, दुल्हन ने शादी से कयिा इनकार, बैरंग लौटी बारात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। डीजे पर नाचती दुल्हन की रिश्तेदार युवतियों पर रुपये क्यों लुटाए? इस आपत्ति पर छिड़ी बहस ने बरात में बवाल करा दिया। दूल्हा के बहनोई व अन्य बरातियां ने दुल्हन की मां समेत पांच लोगों को डंडों से पीटा। उन्हें घायल देखकर दुल्हन ने भी कह दिया कि ऐसे बवालियों से शादी नहीं करेगी। आनन-फानन फेरे रोककर पुलिस बुला ली गई। दोनों पक्षों को थाने ले जाया गया, लेकनि वहां भी समझौते के बजाय आरोप-प्रत्यारोप होते रहे। बुधवार दोपहर को दुल्हन पक्ष ने कह दिया कि किसी भी हाल में शादी नहीं हो सकती। इसके बाद दूल्हा और बरातियों को बिना दुल्हन लौटना पड़ा।

मंगलवार रात युवती की शादी थी। पुलिस के अनुसार, वरमाला तक सबकुछ ठीक चल रहा था। दुल्हन पक्ष की कुछ लड़कियां डीजे पर नाचने पहुंची तो बरात में आए लड़के उन पर नोट लुटाने लगे। यह देखकर एक युवती ने आपत्ति जताई कि दूर रहें, नोट न फेंके। इस पर कुछ बराती दुल्हन पक्ष पर अभद्रता का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। उस समय कुछ रिश्तेदारों ने बीच बचाव कर दिया था। बुधवार सुबह चार बजे फेरों की तैयारी हो रही थी। उसी समय दूल्हे का बहनोई ज्ञानप्रकाश कुछ अन्य युवकों के साथ लाठी-डंडे लेकर पहुंचा। आरोप है कि उन सभी ने दुल्हन पक्ष के लोगों को पीटना शुरू कर दिया। इसमें दुल्हन की मां व चार रिश्तेदार घायल हो गए। उनके सिर से खून बहता देखकर शादी की रस्में रोक दी गईं। थाना प्रभारी राजबली सिंह ने बताया कि दुल्हन की मां की हालत गंभीर होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कार्यशैली से चर्चा में आए पंडित त्रिपाठी की छिनी कुर्सी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

ठेकेदार पर मुकदमा व महिला की पिटाई के मामले ने पकड़ा तूल

पंडित त्रिपाठी को लापरवाह कार्यशैली ने कई बार विभाग की किरकिरी कराई। शिवगढ़ की फूल कुमारी का आरोप था कि 26 मई की रात गांव के ही अयोध्या प्रसाद वर्मा दारोगा अमित सिंह को लेकर घर आए थे। जबरन दरवाजा खुलकर दारोगा व साथ के दो सिपाहियों ने देवर को व उन्हें मारा, जिससे हाथ में फ्रैक्चर हो गया।

सुलतानपुर। लगातार मनमानी पूर्ण कार्यशैली से चर्चा में रहे पंडित त्रिपाठी की कुर्सी बड़े कप्तान ने छीन ली। उन्हें शिवगढ़ एसओ के पद से हटाकर विशेष जांच प्रकोष्ठ का प्रभारी नियुक्त किया है। उनके स्थान पर पुलिस लाइंस में तैनात ज्ञानेश दुबे को नया थानाध्यक्ष बनाया है। इसके साथ ही कई अन्य उप निरीक्षकों को इधर से उधर किया है। एसपी कुंवर अनुपम, सिंह ने अलीगंज के चौकी प्रभारी राकेश कुमार ओझा को शाहगंज का चौकी प्रभारी बनाया है। उनके स्थान पर कोतवाली नगर से जगदीश सिंह को भेजा है। बीते दिनों कोतवाली नगर कार्यालय में दीवान की लापरवाही से चली गोली से वे घायल हो गए थे। स्वस्थ होने के बाद चौकी मिली। अमित सिंह को प्रतापगंज, प्रदीप कुमार को केएनआइटी, संजय कुमार सिंह को सीताकुंड का चौकी प्रभारी एसपी ने बनाया है। केपी वर्मा को कोतवाली नगर, श्री कृष्ण शुक्ल को अखंडनगर तथा रमाशंकर शर्मा को रिट सेल में तैनाती के आदेश दिए हैं। पंडित त्रिपाठी अपने तैनाती के दौरान ऐसी एक भी जगह नहीं बची जहां ये किसी के ऊपर फर्जी मुकदमा दर्ज नहीं किया हो जैसे जनपद अंबेडकर नगर तैनाती में बेवाना थाना में फर्जी मुकदमा दर्ज किया आलापुर तैनाती में बाराबंकी के तैनाती में धनपतगंज के तैनाती में और तो और दोस्तपुर तैनाती में नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी सचिन कुमार पाण्डेय से मिलकर मनगढ़ंत तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज किया। आखिर में जितना भी ये मुकदमा दर्ज करता है उन सभी मुकदमे में एफॉर लग जाता है और रही बात इनका विवादों से पुराना नाता तो जनपद अंबेडकरनगर बेवाना में थाना प्रभारी के पद नियुक्त तनाती के दौरान पंडित त्रिपाठी के ऊपर मुकदमा संख्या 182/2022 धारा 506, 392, 354(ख),452, 323 दर्ज है ईंट ही नहीं सूत्रों के अनुसार बाराबंकी में ऐसे ही गंभीर धाराओं में लिप्त है।

तीर्थ पुरोहित और उनकी पत्नी की हत्या करने वालों ने रची थी गहरी साजिश, वारदात से पहले पालतू कुत्ते के भोजन तक का किया था इंतजाम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। शहर के चर्चित दोहरे हत्याकांड की विवेचना उस समय चेतगंज में तैनात वर्तमान में चितईपुर थाना प्रभारी प्रवीन कुमार ने किया। 90 दिन के अंदर दिसंबर 2020 को 12 आरोपितों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया।

प्रवीण बताते हैं घटना के बाद हत्यारों को पकड़ना और उनके खिलाफ मजबूत साक्ष्य जमा करना बड़ी चुनौती थी। राजेंद्र और उसकी पत्नी ने हत्या की जबरदस्त साजिश रची थी। इसके तहत घटना के एक दिन पहले दोनों बेटियों को बलिया में रहने वाले रिश्तेदार के घर भेज दिया था। घर में पाले गए कुत्ते अपने परिचित के घर दिया था और उसे भोजन देने के लिए दस हजार रुपये भी दिया था। घटना के एक रात पहले कृष्ण कुमार के घर लगे कैमरों का तार काट दिया गया था और आसपास लगे कैमरों का एंगल बदल दिया गया था। बैंक से डेढ़ लाख रुपये निकाले गए थे ताकि फरारी में काम आ सके। दंपती की हत्या के बाद राजेंद्र अशोक विहार कालोनी पहड़िया के अच्छे हसन उर्फ नजमुल हसन के घर गया।

वहां खून लगे कपड़ों को बदल दिया और अच्छे हसन के सहयोग से बलिया के लिए बस पकड़ लिया। वहीं पूजा हत्या में इस्तेमाल असलहों को लेकर बुलानाला के रहने वाले महेंद्र प्रताप राय के घर चली गई। उसकी मदद से बलिया के लिए ट्रेन में सवार हुई। पूजा की निशानदेही पर ही इसके घर से कत्ल में इस्तेमाल असलहों व चापड़ को बरामद किया था। सारा परिवार बलिया में एक साथ मिलकर दूसरे जगहों के लिए भाग निकला। घटना के तीन दिन बाद ही गाजीपुर के करंडा निवासी रामविचार और उसका बेटा पकड़ लिया गया। पुलिस के दबाव में चार अक्टूबर 2020 को राजेंद्र, पूजा व रजत ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में समर्पण किया था।

फोरेंसिक ने सजा दिलाने में निभाई अहम भूमिका

हत्याकांड के विवेचक प्रवीन कुमार का कहना है कि दोषियों को सजा दिलाने में फोरेंसिक ने अहम भूमिका निभाई है। राजेंद्र के खून सने कपड़ों, कत्ल में इस्तेमाल चापड़, पिस्टल की फोरेंसिक जांच कराई गई। इससे तैयार रिपोर्ट को अदालत में साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत किया गया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के खास मदद नहीं मिल पाई थी तो जांच के दौरान हत्याकांड की हर कड़ी को बारीकी से जोड़ा। इसका परिणाम रहा कि दोषियों को सजा मिल की।

हत्याकांड में पुलिस की भूमिका रही संदिग्ध

तीर्थ पुरोहित हत्याकांड में पुलिस की भूमिका बेहद संदिग्ध रही। कृष्ण कुमार के बेटे सुमित ने घटना के दो दिन पहले राजेंद्र के बेटे रजत के पास असलहा और झोले में कारतूस होने की सूचना लल्लापुरा पुलिस चौकी को दी थी। पुलिस ने झोला देखा जरूर लेकिन उसे चेक नहीं किया। हत्या की वारदात के दो महीने पहले 14 जुलाई को भी कृष्ण कुमार, उनके बेटों व पत्नी पर राजेंद्र, रामविचार व अन्य ने चापड़, त्रिशूल से हमला किया था। कृष्ण कुमार इसकी शिकायत लेकर सिगरा थाने पर गए लेकिन पुलिस ने उन पर ही मुकदमा कर दिया। थाने में उनके साथ बदसलूकी भी की गई थी। हत्याकांड के बाद लल्लापुरा चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया गया था।

हत्यारों को फांसी चाहता है सुमित

मृतक कृष्ण कुमार उपाध्याय का बेटा और माता-पिता की हत्या के मुकदमे का वादी सुमित उपाध्याय का कहना है कि न्यायालय का फैसला सर्वोपरि है लेकिन घटना की जघन्यता को देखते हुए राजेन्द्र उपाध्याय, रजत उपाध्याय व रामविचार उपाध्याय को फांसी की सजा मिलनी चाहिए थी। तीनों ने दिनदहाड़े क्रुरता से उसके माता-पिता की हत्या की थी। हाईकोर्ट में सुनवाई होने पर तीनों अभियुक्तों को फांसी की सजा दिलाने का प्रयास करेंगे।

प्रसव के 9वें दिन नवजात की मौत, अस्पताल में परिजन का हंगामा ; डॉक्टरों पर गंभीर आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गाजियाबाद। जिला महिला अस्पताल में प्रसव के नौ दिन बाद बच्चे की मौत होने पर बृहस्पतिवार को स्वजन ने हंगामा किया। स्वजन का आरोप है कि प्रसव के दौरान लेबर रूम में चिकित्सकों की लापरवाही से बच्चा डस्टबीन में गिर गया था।

बच्चे का इलाज नहीं किया गया। कैला भट्टा के रहने वाले आसिफ की पत्नी तराना को प्रसव पीड़ा होने पर 30 जून को जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अगले दिन सुबह दो बजे समान्य प्रसव हुआ और तराना ने बेटे को जन्म दिया।

आरोप है कि प्रसव के समय बच्चा डस्टबीन में गिर गया। इस घटना को छिपा लिया गया। हंगामा होने पर अस्पताल में पुलिस भी पहुंच गई। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है।

गली-मोहल्लों में पहुंचकर डायरिया के प्रति जन जागरूकता लाएंगे प्रचार वाहन

सीएमओ ने दिखाई हरी झंडी, कहा- बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए जागरूकता जरूरी

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा। डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए बृहस्पतिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि वर्मा ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से तीन प्रचार वाहनों को रवाना किया। यह प्रचार वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर समुदाय को शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में प्रचार-प्रसार करेंगे। इसके साथ ही डायरिया के प्रति जागरूकता के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने हस्ताक्षर अभियान का भी शुभारंभ किया।

इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जनजागरूकता बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए डायरिया के प्रति जागरूकता सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर से सुसज्जित यह प्रचार वाहन जन-जन तक डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने का सन्देश पहुंचाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जिले में 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के माध्यम से सहयोग कर रहे हैं। अभियान की इस साल की थीम-"डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान" तय की गयी है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है।

डॉ. रश्मि वर्मा का कहना है कि बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक जरूर दें। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए। इस मौके पर एसीएमओ डॉ. आदित्य, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक अमरनाथ, सीएमओ कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी के अलावा पीएसआई इंडिया से पंकज पाठक व अवध कुमार भी मौजूद रहे।

सात फेरों से पहले दूल्हे के बहनोई ने कर दी ऐसी हरकत, दुल्हन ने शादी से किया इनकार ; बैरंग लौटी बारात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। डीजे पर नाचती दुल्हन की रिश्तेदार युवतियों पर रुपये क्यों लुटाए? इस आपत्ति पर छिड़ी बहस ने बरात में बवाल करा दिया। दूल्हा के बहनोई व अन्य बरातियां ने दुल्हन की मां समेत पांच लोगों को डंडों से पीटा। उन्हें घायल देखकर दुल्हन ने भी कह दिया कि ऐसे बवालियों से शादी नहीं करेगी। आनन-फानन फेरे रोककर पुलिस बुला ली गई। दोनों पक्षों को थाने ले जाया गया, लेकनि वहां भी समझौते के बजाय आरोप-प्रत्यारोप होते रहे। बुधवार दोपहर को दुल्हन पक्ष ने कह दिया कि किसी भी हाल में शादी नहीं हो सकती। इसके बाद दूल्हा और बरातियों को बिना दुल्हन लौटना पड़ा।

मंगलवार रात युवती की शादी थी। पुलिस के अनुसार, वरमाला तक सबकुछ ठीक चल रहा था। दुल्हन पक्ष की कुछ लड़कियां डीजे पर नाचने पहुंची तो बरात में आए लड़के उन पर नोट लुटाने लगे। यह देखकर एक युवती ने आपत्ति जताई कि दूर रहें, नोट न फेंके। इस पर कुछ बराती दुल्हन पक्ष पर अभद्रता का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। उस समय कुछ रिश्तेदारों ने बीच बचाव कर दिया था।

बुधवार सुबह चार बजे फेरों की तैयारी हो रही थी। उसी समय दूल्हे का बहनोई ज्ञानप्रकाश कुछ अन्य युवकों के साथ लाठी-डंडे लेकर पहुंचा। आरोप है कि उन सभी ने दुल्हन पक्ष के लोगों को पीटना शुरू कर दिया। इसमें दुल्हन की मां व चार रिश्तेदार घायल हो गए। उनके सिर से खून बहता देखकर शादी की रस्में रोक दी गईं।

थाना प्रभारी राजबली सिंह ने बताया कि दुल्हन की मां की हालत गंभीर होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी तहरीर पर ज्ञानप्रकाश व अज्ञात के विरुद्ध मारपीट, तोड़फोड़, अभद्रता, धमकाने की धारा में प्राथमिकी पंजीकृत की गई है।

स्पीड से चल रही थी स्कूल बस, आगे आया मोड़ और... बिजनौर सड़क हादसे में 5 बच्चों समेत टीचर घायल, मची चीख-पुकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में बुधवार को सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक स्कूल बस हादसे का शिकार हो गई। स्कूल बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। बस में करीब 25 स्कूली बच्चे सवार थे। ऐसे में बस पलटते ही बच्चों और टीचरों में चीख पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि ये सनशाइन स्कूल की बस थी। बस में सवार आधा दर्जन से ज्यादा स्कूली बच्चे और टीचर घायल हो गए। एक महिला टीचर समेत पांच बच्चों की हालत नाजुक बनी हुई है।

ये हादसा थाना अफजलगढ़ क्षेत्र के अफजलगढ़-कालागढ़ मार्ग पर हुआ। जहां स्कूल बस अनियंत्रित होकर पलटी और सड़क किनारे गिर पड़ी। इस घटना में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में घायल हुए बच्चों और टीचर को स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका चल रहा है। कुछ बच्चों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

तेज रफ्तार से जा रही थी बस

जिन बच्चों की स्थिति ज्यादा गंभीर है। उन्हें जिला मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है। मामले की जानकारी मिलते पुलिस मौके पर पहुंच गई और तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। हादसे के वक्त मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि जिस वक्त ये हादसा हुआ। उस समय ये स्कूल बस काफी तेज रफ्तार में थी, जिस वजह से ड्राइवर बस को कंट्रोल नहीं कर पाया और मोड़ पर बस पलट गई।

पुलिस मामले की जांच में जुटी

हालांकि राहत की बात ये रही कि बस खाई में नहीं गिरी। वरना इससे भी बड़ा हादसा हो सकता था। ड्राइवर तेज रफ्तार पर काबू नहीं पा सका और मोड़ आते ही गाड़ी सड़क किनारे पलट गई। जैसे ही बस पलटी बच्चों में चीख-पुकार मच गई। कई बच्चे हादसे में घायल हो गए, जिनमें से 5 की हालत गंभीर है। अफजलगढ़ पुलिस ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई थी। सभी बच्चों के परिजनों को जानकारी दे दी गई और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मराठियों का माल्यार्पण और पुष्पवर्षा से स्वागत, भाषा के नाम पर हिंसा का विरोध

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। महाराष्ट्र में हिंदी भाषियों के साथ की जा रही हिंसा का जवाब कैंट रेलवे स्टेशन पर लोगों ने मराठियों का पुष्पवर्षा से स्वागत कर दिया। ट्रेन से उतरते कई परिवार के लोग स्वागत के तरीके से आह्लादित हो उठे, लेकिन जब उन्हें असलियत की जानकारी हुई तो यह मानने में गुरेज नहीं किए कि भाषा के नाम उत्पीड़न अनुचित है।

पिछड़ा मोर्चा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनूप जायसवाल एक दर्जन साथियों के साथ बुधवार को दिन में 11 बजे कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक जा पहुंचे। सभी को मुंबई से जयनगर जाने वाली 11061 ट्रेन का इंतजार था। ट्रेन दोपहर में 12.43 बजे पहुंची तो अलग-अलग कोच से उतरे महाराष्ट्रियन का स्वागत किए।

माला पहनाते हुए उनके ऊपर पुष्प वर्षा भी की। अनूप जायसवाल ने कहा कि महाराष्ट्र में हिंदी भाषी लोगों के साथ मनसे (महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना) के कार्यकर्ता हिंसा और भेदभाव का कर रहे हैं। हम यह संदेश देना चाहते हैं कि चाहे वह उत्तर प्रदेश हो, महाराष्ट्र हो, मध्य प्रदेश हो या राजस्थान, भारत का हर राज्य, भारत का अभिन्न अंग है।

इसमें रहने वाले सभी नागरिक भारतीय हैं। इसलिए हमें जाति, भाषा, प्रांत से ऊपर उठकर एकता और समरसता का परिचय देना चाहिए। संचालन क्षेत्रीय मंत्री दीपक आर्य और धन्यवाद ओम प्रकाश यादव व शंकर जायसवाल ने किया। सिद्धनाथ गौड़ अलगु, धीरेंद्र शर्मा, प्रिय कुमार माणिक, अखिल वर्मा, आदित्य गोयनका, सुजीत गुप्ता, धर्मचंद, मनीष चौरसिया, मंगलेश जायसवाल, राजेश दूबे, प्रदीप जायसवाल, गोपालजी, कन्हैया सेठ रहे।

जो राम का विरोधी है, उसकी तो दुर्गति होनी ही है... समाजवादी पार्टी पर योगी का तंज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान परिणामोन्मुखी और जन-केंद्रित शिकायत निवारण के महत्व को रेखांकित किया। इसके साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी को अपने निशाने पर लिया। योगी ने कहा कि राममनोहर लोहिया ने रामायण मेला शुरू किया था पर आज की समाजवादी पार्टी राम भक्तों पर गोली चलवाती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि लोहिया के चेले राम को नहीं मानते। जो प्रभु श्री राम का विरोधी है, उसकी तो दुर्गति हमेशा होनी ही होनी है...। भारत का एक ही धर्म है सनातन धर्म।

वहीं, मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन कार्यक्रम की, जहां उन्होंने लगभग 200 लोगों से मुलाकात की और उनकी शिकायतें सुनीं। महिलाओं सहित कई लोगों ने भूमि विवाद और अवैध अतिक्रमण से संबंधित मुद्दे उठाए। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लिया और अधिकारियों को त्वरित व सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि समाधान शीघ्र और प्रभावी होने चाहिए। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए वित्तीय सहायता चाहने वालों को, आदित्यनाथ ने आश्वासन दिया कि धन की कमी किसी की भी चिकित्सा सेवा में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने प्रशासन को संबंधित रोगियों के लिए लागत अनुमान तैयार करने और उसे तुरंत सरकार को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि बिना किसी देरी के धनराशि जारी की जा सके। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने करने की आवश्यकता नहीं है और सभी की समस्या का समाधान हर हाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं और उनकी शिकायत थी कि उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इन शिकायतों पर अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए कहा कि जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ति व्यक्ति संतुष्ट दिखे।

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन को मिल रही उड़ान, मुखराई और जैत गांव बन रहे आत्मनिर्भरता के केंद्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पर्यटन नीति-2022 राज्य को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हो रही है। प्रदेश सरकार द्वारा पर्यटन को ग्रामीण विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और स्थानीय रोजगार के साथ जोड़ने की कोशिश अब फलीभूत होने लगी है। पर्यटन विभाग के प्रयासों से अब तक प्रदेश में 700 से अधिक होम स्टे पंजीकृत हो चुके हैं, जिससे स्थानीय समुदायों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिल रहा है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मथुरा जिले के मुखराई और जैत गांव ग्रामीण पर्यटन की नई पहचान बनकर उभरे हैं। इन गांवों में न केवल पर्यटकों के लिए आकर्षक होम स्टे विकल्प उपलब्ध हैं, बल्कि स्थानीय परंपराएं, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक गतिविधियां भी पर्यटकों के लिए विशेष अनुभव बन रही हैं।

मेक इन इंडिया के तहत 'द गोट ट्रस्ट' देगा युवाओं को पशुपालन का व्यावसायिक प्रशिक्षण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। केंद्र सरकार की मेक इन इंडिया योजना को जमीन पर उतारते हुए युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 'अंतर्राष्ट्रीय बकरी प्रबंधन संस्थान–द गोट ट्रस्ट' द्वारा एक बड़ी पहल की गई है। राजधानी लखनऊ के रसूलपुर सदात स्थित संस्थान परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्थान के निदेशक प्रो. संजीव कुमार ने बताया कि 'द गोट ट्रस्ट कौशल संस्थान' युवाओं को पशुपालन में एक से तीन वर्ष तक का प्रशिक्षण देगा, जिसके पश्चात उन्हें स्थायी रोजगार का अवसर भी संस्था द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।प्रो. कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पशु चिकित्सा, चारा प्रबंधन, औषधि उपयोग, लैब संचालन, पशु देखभाल, तथा पशुपालन से जुड़े सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही उन्हें कंप्यूटर विज्ञान, कृषि विज्ञान और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में भी तीन से छह माह की अवधि के कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देशभर में सफलतापूर्वक चल रहा है और वर्तमान में भारत के 18 राज्यों में संस्था के 8 प्रमुख प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं।उन्होंने बताया कि संस्था के ₹वी-वॉकर₹ पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को तकनीकी और उद्यमिता के समन्वय से आत्मनिर्भर बनने का मार्ग दिखाया जाता है। इस कोर्स का उद्देश्य केवल तकनीकी प्रशिक्षण देना नहीं है, बल्कि युवाओं में व्यावसायिक सोच, आत्मसम्मान और सामाजिक भागीदारी का भाव भी विकसित करना है।प्रो. संजीव कुमार ने यह भी कहा कि संस्थान का लक्ष्य ऐसे युवाओं को प्रशिक्षित करना है जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से आते हैं और अपने संसाधनों के माध्यम से स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस पर सड़क हादसे में चालक की मौत

लखनऊ। गोसाईंगंज इलाके में बुधवार/ गुरुवार की रात करीब तीन बजे एक ट्रक खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गया। जिसमें एक ट्रक के चालक की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को को भेज दिया। पुलिस के मुताबिक गुजरात के जूनागढ़ के रहने वाले मनोज भाई (41) ट्रक चालक थे। बेटे करन ने बताया कि वह अपने पिता के साथ ट्रक में क्लीनर था पिता पुत्र ट्रक खाद बीज लेकर अयोध्या डिलीवरी देने के लिए जा रहे थे रास्ते में गोसाईगंज के पूर्वांचल एक्सप्रेस टोल के पास मनोज भाई ने बुधवार रात 3 बजे ट्रक को खड़ा करके किसी काम से गया था वापस लौट कर जैसे ही वह ट्रक पर चढ रहे थे तभी पीछे से आ रहे ट्रक में टक्कर मार दी एवं काफी दूर तक वह घिसातता चला गया वहां मौजूद लोगों ने देखा तो दूसरे ट्रक वाले को को रोक एवं पुलिस वालों को जानकारी दी गई एंबुलेंस गंभीर रूप से घायल मनोज भाई को इलाज के लिए सीएचसी गोसाईगंज ले गई।

राजनाथ सिंह के जन्म दिवस पर लखनऊ में महा सफाई अभियान का शुभारंभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। ऑपरेशन सिंदूर के महानायक और देश के यशस्वी रक्षा मंत्री तथा लखनऊ से सांसद आदरणीय श्री राजनाथ सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर लखनऊ नगर निगम द्वारा एक महा सफाई अभियान का आयोजन किया गया है। इस अभियान का शुभारंभ जोन-1 के हजरतगंज चौराहे पर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा की साफ-सफाई के साथ किया गया।सुबह 6:00 बजे नगर निगम की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने इस महा सफाई अभियान की शुरुआत की। यह अभियान पूरे शहर में स्वच्छता और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। नगर निगम ने कहा है कि यह पहल न केवल स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाएगी, बल्कि राजनाथ सिंह के जन्म दिवस को सार्थक और

यादगार बनाने का प्रयास भी है।इस अभियान में नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय लोग सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। आगामी दिनों में यह सफाई अभियान अन्य जोनों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर भी आयोजित किया जाएगा।

पति की मौत के बाद मृत्यु प्रमाण पत्र व परिवार रजिस्टर की नकल नहीं दे रहे कर्मचारी

लखनऊ। गोसाईंगंज के पहासा इचवालिया गांव में रहने वाले नौमिलाल की मौत बीते 5 जुलाई को रात लगभग 10:30 बजे हो गई। 6 जुलाई को उनका अंतिम संस्कार किया गया। उसके बाद से मृतक की पत्नी शकुंतला देवी अब मृत्यु प्रमाण पत्र व परिवार रजिस्टर की नकल पाने के लिए पंचायत अधिकारियों के चक्कर लगा रही है। पीड़ति का कहना है कि उसके बाद जब 7 जुलाई 2025 को ग्राम प्रधान हरी सिंह से मृतक सर्टिफिकेट के लिए संपर्क किया तो उन्होंने प्रमाण पत्र देने से मना कर दिया, फिर जब ग्राम पंचायत सचिव अजय पटेल से संपर्क किया तो उन्होंने बोला कि जब तक प्रधान प्रमाण पत्र नहीं देंगे तब तक हम मृत सर्टिफिकेट नहीं दे सकते। उसके बाद जब हमने परिवार रजिस्टर नकल के लिए बोला तो उन्होंने बहाना बनाते हुए बोला कि हम शुक्रवार से पहले नहीं दे पायेंगे ।

गुरु पूर्णिमा पर श्रीमद दयानंद बाल सदन संस्था के निराश्रित एवं अनाथ बच्चों का यज्ञोपवीत संस्कार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रीमद दयानंद बाल सदन, मोतीनगर में 34 निराश्रित एवं अनाथ बालकों का यज्ञोपवीत संस्कार आचार्य संतोष वेदालंकार व आचार्य भोला शंकर द्वारा मंत्रोच्चार के साथ कराया गया।

संस्था के अभिभावक अजय प्रकाश एवम् उनकी धर्म पत्नी रत्ना प्रकाश तन, मन और धन से इन बच्चों के लिए समर्पित हैं। यह संस्था वर्ष1915 से समाज के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस संस्था में 90 बालक और बालिका हैं। इन बच्चों की खाने से लेकर रहने तक और बच्चों की पढ़ाई से लेकर उनकी उच्च शिक्षा व प्रोफेशनल एड्यूशन, जिसमें लाखों रुपए की फीस भी बच्चों पर खर्च की जाती है । संस्था बिना किसी सरकारी मदद के कार्य कर रही है, यह संस्था व्यक्तियों द्वारा दिए गए दान के सहयोग से कार्य कर

रही है। संस्था में बालक आर्य समाज के माध्यम से नियमित रूप से गुरुकुल परंपरा से संध्या-हवन भी करते हैं, यहां के बच्चे खेल में भी राज्य स्तर तक प्रतिभाग करते हैं और पढ़ाई में भी प्रथम स्थान प्राप्त करते हैं।

गुरु पूर्णिमा उत्सव के उपलक्ष्य पर इन बच्चों के भीतर अपनी सनातनी विचार से युक्त राष्ट्र रक्षा का संकल्प लिया । इस कार्यक्रम में संस्था के उपमंत्री रजनीकांत, योग प्रशिक्षक महेश एवं वासुदेव शामिल रहे।

राष्ट्रीय किसान मछुआरा दिवस का प्रादेशिक सम्मेलन लखनऊ में संपन्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। 10 जुलाई को सहकार भारती उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में राष्ट्रीय किसान मछुआरा दिवस का प्रादेशिक सम्मेलन चौधरी चरण सिंह सभागार, सहकारिता भवन, विधानसभा रोड पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ और राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस के उपलक्ष्य में सहकार भारती द्वारा रचित मछुआरा गीत का मुख्य अतिथि ने लोकार्पण किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहकार भारती के राष्ट्रीय महामंत्री दीपक चौरसिया ने कहा कि जब कोई व्यक्ति स्वयं का विकास करता है तो वह अपने साथियों को भी विकसित करता है, लेकिन सामूहिक प्रयास से समाज का सर्वांगीण विकास संभव होता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता ऐसा माध्यम है जो समाज को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का कार्य करता है, विशेषकर पिछड़े वर्गों को सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त करने के लिए।विशिष्ट अतिथि जयंती भाई केवट, जो राष्ट्रीय प्रमुख मत्स्य सहकारी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी हैं, ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'जहां जल है वहां मछुआरा है।' उनका कहना था कि मत्स्यक पूजक समाज जल के प्रति अपने संबंध को गर्व से देखता है और सहकारिता के माध्यम से अपने पारंपरिक व्यवसाय को संगठित कर सामाजिक व आर्थिक मजबूती हासिल कर सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के सपने का भी समर्थन करते हुए कहा कि हर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास और आर्थिक सशक्तिकरण आवश्यक है।प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार सिंह ने कहा कि सहकारिता का गठन 1978 में लक्ष्मण राव इनामदार ने किया था, जो आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों को स्वावलंबी बनाने की दूरदर्शिता थी। आज सहकार भारती पूरे देश के 28 राज्यों के 650 जिलों में सक्रिय है, और उत्तर प्रदेश के करीब डेढ़ लाख मत्स्य किसानों को रोजगार उपलब्ध करा रही है।प्रदेश महामंत्री अरविंद दुबे ने राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत की समृद्धि केवल खेती से नहीं, बल्कि जल के गहराई में किए गए परिश्रम से भी जुड़ी है। उन्होंने बताया कि मछली न केवल पोषण का स्रोत है बल्कि रोजगार और आत्मनिर्भरता का भी माध्यम है।प्रदेश मंत्री कैलाश नाथ निषाद ने गुरूपूर्णिमा और वेदव्यास जयंती के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि यह दिवस उस ऐतिहासिक उपलब्धि की याद में मनाया जाता है, जब 1957 में भारत के दो महान वैज्ञानिकों ने कृत्रिम प्रजनन की तकनीक से मछलियों के सफल प्रजनन की शुरुआत की, जिसने मत्स्य पालन क्षेत्र में क्रांति ला दी और लाखों लोगों के लिए रोजगार का स्रोत तैयार किया।

रियल एस्टेट धोखाधड़ी में मोहनलालगंज पुलिस को बड़ी सफलता, एच .आर . इंफ्राविजन कंपनी का एडिशनल डायरेक्टर मदनराम गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एक शातिर रियल एस्टेट घोटालेबाज को गिरफ्तार कर न केवल दर्जनों पीड़ितों को न्याय की उम्मीद दी गई, बल्कि ठगी से अर्जित संपत्ति को जब्त कर कानून का भय भी स्थापित किया गया। यह गिरफ्तारी पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत हुई है, जिसमें मोहनलालगंज पुलिस ने सक्रिय भूमिका निभाई।गिरफ्तार आरोपी मदनराम पुत्र विश्वनाथ, निवासी राजा गांव खरौनी, थाना बांसडीह, जनपद बलिया, लखनऊ स्थित एच.आर. इंफ्राविजन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का एडिशनल डायरेक्टर है। यह कंपनी रियल एस्टेट के नाम पर लोगों को आकर्षक योजनाओं का झांसा देकर उन्हें प्लॉट बेचने का दावा करती थी।

पीड़ितों को रजिस्ट्री तो करवा दी जाती थी, लेकिन जमीन या तो अस्तित्व में नहीं होती थी, या फिर कंपनी का उस पर कोई वैध स्वामित्व नहीं होता था।पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस कंपनी के खिलाफ अब तक थाना मोहनलालगंज में 19 मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। एक शिकायतकर्ता नीलाम्बर झा, जो सेना से सेवारत हैं, ने बताया कि उन्होंने 2019 में अपनी पत्नी मिन्नी झा के नाम पर मऊ स्थित 1500 वर्ग फीट भूमि की रजिस्ट्री कराई थी, लेकिन अब तक उन्हें न कब्जा मिला और न ही उनकी धनराशि लौटाई गई। इसी प्रकार के कई मामलों में पीड़ितों ने शिकायत दर्ज कराई थी।पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि कंपनी के तीन मुख्य संचालक—प्रमोद उपाध्याय, विनोद उपाध्याय और मदनराम—मिलकर फर्जी दस्तावेज और झूठे वादों के जरिये भोले-भाले लोगों से मोटी रकम वसूलते थे। खासतौर पर सेना और अर्धसैनिक बलों के कर्मियों को निशाना बनाया जाता था, क्योंकि उनकी व्यस्तता का लाभ उठाकर उन्हें भ्रमित करना आसान होता था।पुलिस ने आरोपी मदनराम को बलिया से गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से अपराध की रकम से खरीदी गई एक इनोवा क्रिस्टा कार (UP-32-MX-9415) बरामद की गई है। अब तक इस गैंग की चार लग्जरी गाड़ियां जब्त की जा चुकी हैं, जिनमें इनोवा क्रिस्टा, टाटा सफारी, स्विफ्ट डिजायर और बोलेरो शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अभियुक्तों के 19 बैंक खातों को भी फ्रीज किया गया है, जिनमें लगभग 15 लाख रुपये जमा पाए गए।पूछताछ में मदनराम ने स्वीकार किया कि वह प्रमोद और विनोद उपाध्याय के साथ मिलकर कंपनी का संचालन करता था और लाभ को आपस में बांट लिया जाता था। वह खुद को कंपनी का एडिशनल डायरेक्टर बताकर लोगों को जमीन बेचने के लिए लुभाता था और बाद में कब्जा देने से इनकार कर देता था। धोखाधड़ी का खुलासा होने पर वह पीड़ितों को गुमराह करता था कि जल्दी ही पैसा वापस कर दिया जाएगा, जबकि असलियत में ऐसा कुछ नहीं होता था।पुलिस ने बताया कि इस मामले में अभियुक्त मदनराम के खिलाफ कई धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें भारतीय दंड संहिता की धारा 409 (आपराधिक न्यासभंग), 420 (धोखाधड़ी), 504, 506 (धमकी देना) और 120बी (षड्यंत्र) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त बीएनएस की नई धाराओं में भी केस दर्ज किया गया है।इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक डी.के. सिंह, अति. निरीक्षक रामबाबू सिंह, उपनिरीक्षक यशवंत सिंह, साजिद अली, कांस्टेबल अरुण कुमार और महिला कांस्टेबल आकांक्षा मिश्रा शामिल रहे। पुलिस अब इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है और आगे की जांच जारी है।यह गिरफ्तारी मोहनलालगंज पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है और रियल एस्टेट सेक्टर में सक्रिय धोखाधड़ी गिरोहों के लिए एक कड़ा संदेश भी है।

लखनऊ में चला अतिक्रमण के खिलाफ महाअभियान, नगर निगम की सख्ती से हटाए गए ठेले, झोपड़ियां और गुमटियां

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में नगर निगम ने गुरुवार को अतिक्रमण के विरुद्ध एक व्यापक और सघन अभियान चलाया। महापौर सुषमा खर्कवाल के निर्देश और नगर आयुक्त गौरव कुमार के आदेश पर यह अभियान नगर की स्वच्छता, यातायात की सुगमता और नागरिक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया गया। कार्रवाई तीन प्रमुख जोनों में एकसाथ शुरू की गई, जिसमें कई ठेले, झोपड़ियां, गुमटियां, काउंटर और अवैध निर्माण हटाए गए तथा कई स्थानों से जब्ती की कार्रवाई की गई।नगर निगम की प्रवर्तन टीम ने सबसे पहले जोन-1 के विभिन्न प्रमुख मार्गों और चौराहों पर कार्रवाई की। राणा प्रताप मार्ग पर शनिदेव मंदिर से लेकर चिड़ियाघर गेट नंबर-2, नगर निगम मुख्यालय से नॉवेल्टी चौराहा होते हुए बाल्मीकि मार्ग और बालाकदर रोड, चारबाग के

रवींद्रालय से बापू भवन और कालीदास मार्ग से 1090 चौराहे तक फैले क्षेत्रों में अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान एक ट्रक सामान जब्त किया गया। इस कार्रवाई का नेतृत्व जोनल अधिकारी ओम प्रकाश सिंह ने किया, जिनके साथ कर अधीक्षक विनय मौर्य, राजस्व निरीक्षक संजय सिंह, राजा भैया, राजेश पांडेय, राजेंद्र कुमार और प्रवर्तन विभाग की विशेष टीम 296 भी मौजूद रही।इसी तरह जोन-2 में भी अतिक्रमण हटाने की ठोस कार्रवाई की गई। यहां वार्ड राजेंद्र नगर स्थित विधायक निवास के बगल की सड़क किनारे बनी झुग्गी-झोपड़ियां और अन्य अस्थायी निर्माणों को हटाया गया। इस अभियान का नेतृत्व जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी ने किया। उनके साथ कर अधीक्षक ओमप्रकाश सोनी, जोनल सैनेटरी ऑफिसर राम सकल यादव, एसएफआई सचिन प्रकाश सक्सेना और राजस्व निरीक्षक रोहित सैनी ने सहयोग किया, जबकि प्रवर्तन टीम 296 ने अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।वहीं जोन-7 में सबसे सक्रिय क्षेत्र भूतनाथ में नगर निगम की टीम ने विशेष अभियान चलाया। भूतनाथ चौकी से भूतनाथ मेट्रो स्टेशन तक इलाके में फैले अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान 8 ठेले, 1 काउंटर, 1 मेज, 4 स्टूल जब्त किए गए, जबकि 6 ठेले, 4 ठेलियां, 3 गुमटियां और 4 लोहे के काउंटर भी मौके से हटवाए गए। स्थानीय व्यापारियों और अतिक्रमणकारियों को दोबारा कब्जा न करने की सख्त चेतावनी दी गई। इस क्षेत्र की कार्रवाई में कर अधीक्षक राम अचल, ई.टी.एफ. और 296 प्रवर्तन टीम की सक्रिय भागीदारी रही।नगर निगम द्वारा की गई इस सख्त कार्रवाई को लेकर महापौर सुषमा खर्कवाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर के नागरिकों को सुगम यातायात और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और इसमें कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।यह कार्रवाई न केवल नगर प्रशासन की तत्परता को दर्शाती है, बल्कि यह भी प्रमाणित करती है कि नगर निगम लखनऊ शहर को व्यवस्थित, सुंदर और अतिक्रमणमुक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

लखनऊ में व्यापारी समाज ने जताई यातायात व्यवस्था और अतिक्रमण को लेकर नाराजगी, मांगा सुधार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। व्यापारी समाज ने शहर और प्रदेश की कानून व्यवस्था से संतोष जताया है, लेकिन लखनऊ की यातायात व्यवस्था को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। जब लखनऊ में कमिश्नरेट प्रणाली लागू हुई थी, तब व्यापारी वर्ग को उम्मीद थी कि इससे शहर में यातायात सुगम होगा और कारोबार को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन आज भी यातायात व्यवस्था में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। प्रमुख बाजारों में जाम की समस्या बनी हुई है, जिससे पुराने बाजारों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।व्यापारी समाज ने कहा कि पहले स्थानीय व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ नियमित बैठकें होती थीं, जिनमें समस्याओं का समाधान होता था, लेकिन कुछ समय से ये बैठकें बंद हैं। इसे पुनः शुरू किया जाना चाहिए ताकि व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके।अमीनाबाद बाजार में पटरी

दुकानदारों और अतिक्रमण के कारण निकलना मुश्किल हो गया है। यहां पहले बनाए गए ट्रैफिक पॉइंट कुछ समय तक तो कामयाब रहे, लेकिन पुलिस के हटने के बाद हालात फिर से बिगड़ गए। व्यापारी चाहते हैं कि इन पॉइंट्स पर पुलिस की स्थायी तैनाती हो ताकि बाजार सुचारू रूप से संचालित हो सके।यहियागंज बाजार में सब्जी के ठेले और खड़े वाहन मुख्य मार्ग पर जाम लगाते हैं, जिससे एम्बुलेंस जैसी आपात सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। व्यापारी मांग करते हैं कि ठेले और वाहन हटाकर लोडिंग-अनलोडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।नक्खास बाजार में अवैध ठेलों को हटाने में पुलिस गंभीर नहीं है, जबकि दुकानदारों की गाड़ियों पर चालान किए जाते हैं। एलडीए की पार्किंग पर भी अवैध कब्जा है, जिसे हटाकर व्यापारियों के लिए आरक्षित किया जाना चाहिए।चैक बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण आवाजाही बाधित हो रही है। ई-रिक्शा का कब्जा चरक चौराहा पर खास समस्या है, जिसे पूरी तरह प्रतिबंधित करने और ट्रैफिक पुलिस की तैनाती करने की जरूरत है।नाका बाजार के पुल के नीचे और आलमबाग बाजार में भी अतिक्रमण और वाहनों की अनियमित पार्किंग से जाम की स्थिति बनी रहती है। बुद्धेश्वर, पत्रकारपुरम, अयोध्या रोड, निशातगंज, कपूरथला डंडईया और डालीगंज जैसे अन्य बाजारों में भी अतिक्रमण और यातायात के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा है।व्यापारी वर्ग प्रशासन से अपील कर रहा है कि वह इन बाजारों में अतिक्रमण हटाने, यातायात व्यवस्था सुधारने और ट्रैफिक पुलिस की प्रभावी तैनाती सुनिश्चित करे। साथ ही वे पुनः नियमित बैठक आयोजित करने की मांग कर रहे हैं ताकि स्थानीय स्तर पर समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके और व्यापारिक गतिविधियां सुचारू रूप से चल सकें।

जीवन को सार्थक बनाते हैं गुरू

गुरु बिन ज्ञान न उपजै गुरु बिन मिलै न मोक्ष, गुरु बिन लखै न सत्य को गुरु बिन मिटै न दोष। अर्थात गुरु के बिना ज्ञान नहीं आता और न ही मोक्ष मिल सकता है। गुरु के बिना सत्य की प्राप्ति नहीं होती और ना ही दोष मिट पाते हैं। यानी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को संवारने के लिए गुरू का होना बहुत ही आवश्यक है। भारतीय संस्कृति को धारण करने वाला व्यक्ति प्रेरणापुंज की तरह ही होता है। उनके प्रत्येक शब्द सकारात्मक दिशा का बोध कराने वाला होता है। हम प्रायः सुनते हैं कि हमारा देश विश्व गुरु रहा है, विश्व गुरु यानी सम्पूर्ण क्षेत्रों में विश्व का मार्ग दर्शन करने वाला, लेकिन क्या हमने सोचा है कि भारत का वह कौन सा गुण था, जिसके कारण विश्व के अंदर भारतीय प्रतिभा और क्षमता का बोलबाला था। इसका उत्तर आज भले ही कोई नहीं जानता हो, लेकिन यथार्थ यही है कि इसके पीछे मात्र भारतीय गुरुकुल ही थे। भारतीय संस्कृति में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें बालक के सम्पूर्ण विकास की अवधारणा और संरचना होती है। उस समय के हिसाब से गुरुकुलों में विश्व की सबसे श्रेष्ठ शिक्षा दी जाती थी। छात्रों का समग्र विकास किया जाता था। चाहे वह ज्ञान, विज्ञान का क्षेत्र हो या शारीरिक शिक्षा की बात हो या फिर नैतिक और व्यावहारिक संस्कारों की ही बात हो। गुरुकुल की शिक्षा बहुमुखी प्रतिभा का विकास करती थी। आज देश में कई गुरुकुल चल रहे हैं, उसमें बहुत आश्चर्यजनक प्रतिभा संपन्न बालकों का निर्माण भी हो रहा है। पिछले समय गूगल बॉय के रुप में चर्चित होने वाला बालक इन्हीं गुरुकुलों की देन है। गुजरात के कर्णावती में हेमचंद्राचार्य गुरुकुल में ऐसे नन्हे प्रतिभाशाली छात्रों को देखकर विदेशी भी चकित हैं। हमारे देश को वास्तव में गुरुकुल आधारित शिक्षा पद्धति की आवश्यकता है, क्योंकि यही भारत की वास्तविक शिक्षा है और इसी से छात्रों का समग्र विकास हो सकता है।

गुरुकुल में जो अध्यापक होते थे, वह अपने आपको गुरु की भूमिका में लाने के लिए ज्ञान की साधना करते थे। एक ऐसा ज्ञान जो समाज को सार्थक दिशा का बोध करा सके। उस समय वर्तमान की तरह स्कूल नहीं होते थे। क्योंकि स्कूलों की प्रणाली विदेशी प्रणाली है। इससे गुरु और शिष्य के मध्य अपनत्व नहीं होता। गुरुकुल का अर्थ स्पष्ट है। वह गुरू का कुल यानी परिवार होता था। गुरु अपने शिष्य को अपने परिवार का सदस्य मानकर ही शिक्षा देता था। संस्कृत में गुरु शब्द का अर्थ ही अंधकार को समाप्त करने वाला होता है। आज के स्कूल एक प्रकार के व्यापार केन्द्र ही हैं। पैसे को आधार मानकर शिक्षा देने का चलन हो गया है। इससे गुरु और शिष्य के बीच गुरुकुल जैसे संबंध नहीं बनते, क्योंकि इन स्कूलों में नैतिक व्यवहार की सीख नहीं दी जाती। शिष्य को ज्ञान नहीं, केवल शब्द पढ़ाए जाते हैं।

शिक्षा प्रणाली का किसी भी देश के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान होता है। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद जिस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए थी, उसका हमारे देश में नितांत अभाव महसूस किया जाता रहा है। शायद, स्वतंत्रता मिलने के बाद हमारे नीति निर्धारकों ने शिक्षा नीति बनाने के बारे में कम चिन्तन किया। इसी कारण आज की नई पीढ़ी को इतिहास की जानकारी देने से वंचित किया जा रहा है। यहां यह बताना आवश्यक है कि इतिहास कोई सौ या दो सौ सालों में नहीं बनते। जहां तक भारत के दो सौ सालों के इतिहास की बात है तो इस दौरान भारत परतंत्रता की जंजीरों में जकड़ा रहा था। इसलिए स्वाभाविक है कि उस कालखंड का इतिहास हमारा मूल इतिहास नहीं कहा जा सकता। अगर हमें भारत के इतिहास का अध्ययन करना है तो उस कालखंड में जाना होगा, जब भारत पर किसी विदेशी का शासन नहीं था। क्या आज यह इतिहास कोई जानता है, ... बिलकुल नहीं। उसको कोई बताता भी नहीं, क्योंकि उसको बताने से भारत का वही रूप सामने आएगा, जो विश्वगुरू भारत का था।

हम जानते हैं कि विश्व के प्रायः सभी देशों में जो शिक्षा प्रदान की जाती है, वह उस देश के मूल भाव को संवर्धित करती हुई दिखाई देती है। इसके अलावा शिक्षा का मूल भी यही होना चाहिए कि उसमें उस देश का मूल संस्कार परिलक्षित हो। हमें पहले यह भी समझना होगा कि शिक्षा किसलिए जरूरी है? क्या केवल साक्षर होने या नौकरी के लिए पढ़ाई की जानी चाहिए अथवा इसके और भी गहरे मायने हैं? विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय वह केंद्र होते हैं, जहां विद्यार्थी को वैचारिक स्तर पर गढ़ने का कार्य किया जाता है। विद्यार्थी को गढ़ने का कार्य केवल गुरू ही कर सकते हैं। भारत के मनीषियों ने गुरु के साथ विद्यार्थी के सानिध्य को समझा और गुरुकुल पद्धति पर बल दिया। पारिवारिक वातावरण से दूर रहने के कारण उसमें आत्मनिर्भरता विकसित होती थी तथा वह संसार की गतिविधियों से अधिक अच्छा ज्ञान प्राप्त करता था। उससे आत्मानुशासन की प्रवृत्ति का भी विकास होता था। महाभारत में गुरुकुल शिक्षा को गृह शिक्षा से अधिक प्रशंसनीय बताया गया है। प्राचीन भारत में शिक्षा पद्धति की सफलता का मुख्य आधार गुरुकुल ही थे जो किसी न किसी महान तपधारी ऋषि की तपोभूमि तथा विद्यार्जन के स्थल थे। गुरुकुल और समाज के मध्य पृथक्करण नहीं था।

अजब-गजब

दौड़ते हुए एरोप्लेन में जा रहा था शख्स, तभी इंजन ने 'खींच लिया अंदर', घटना के बाद सामने आई तस्वीर!

मिलान बर्गामो एयरपोर्ट पर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति कथित तौर पर एक विमान के इंजन में "खींच लिया गया"। पहले तो इस शख्स के बारे में कुछ पता ही नहीं चला, लेकिन बाद में इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले 35 वर्षीय एंड्रिया रूसो की पहली तस्वीर सामने आई है। यह घटना एयरपोर्ट सुरक्षा और व्यक्ति के इरादों पर कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है। इटैलियन मीडिया के अनुसार, बर्गामो के कैल्सिनेट काउंटी के रहने वाले 35 वर्षीय बिल्डर एंड्रिया रूसो, वोलोटिया (Volotea) एयरलाइन के एक विमान के इंजन में खिंच गए। लेकिन कुछ लोग इसे सुसाइड करार दे रहे हैं। इस "घातक दुर्घटना" के बाद ओरियो अल सेरियो एयरपोर्ट (जिसे मिलान बर्गामो के नाम से भी जाना जाता है) पर परिचालन अचानक रोक दिया गया। वोलोटिया ने बताया कि रूसो विमान का यात्री नहीं था और न ही उसके एयरलाइन से किसी तरह का संबंध होने की खबर थी।

मिली जानकारी के अनुसार, एंड्रिया रूसो ने एयरपोर्ट में गलत दिशा में गाड़ी चलाकर प्रवेश किया, फिर अपनी कार छोड़कर टर्मिनल की ओर दौड़ पड़े। इस बारे में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर मॉरीज़ियो रोमैनेली ने कहा, "हम एयरपोर्ट या विमानों की दुनिया के साथ किसी भी संभावित संबंध की जांच कर रहे हैं।" उन्होंने आगे बताया, "जिस कार से वह एयरपोर्ट आया था, उसमें हर तरह का सामान भरा हुआ था, लेकिन हमें कुछ भी ऐसा नहीं मिला जिससे कुछ और जानकारी मिल सके।" प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अराइवल एरिया के ग्राउंड फ्लोर पर पहुंचने के बाद, रूसो ने एक सिक्युरिटी गेट को खोला जो सीधे विमान पार्किंग क्षेत्र की ओर जाता था। अधिकारियों ने बताया कि उनका पीछा किया गया, तब वे रनवे पर दौड़ रहे थे। आउटलेट ला वोस डेल पेट्रियोटा के अनुसार, अधिकारी उन्हें रोकने में असमर्थ रहे। इसके बाद वह एक एयरबस A319 वोलोटिया विमान की ओर भागा, जो स्पेन के अस्टुरियस के लिए उड़ान भरने वाला था।

एयरलाइन के करीबी सूत्रों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि जैसे ही विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था, वह व्यक्ति इंजन में खींच लिया गया। क्या यह जान-बुझकर किया गया? अब इस एंगल से जांच की जा रही है। एक सूत्र ने इटैलियन मीडिया को बताया, "हो सकता है कि यह एक सुनियोजित आत्महत्या हो।" जानकारी के अनुसार, फ्लाइट V73511 ने एयरपोर्ट से निकलने की तैयारी में "पुशबैक" की प्रक्रिया पूरी कर ली थी, तभी यह घटना घटित हुई। घटना के बाद अधिकारियों द्वारा जांच किए जाने तक कई उड़ानों को डायवर्ट किया गया, जिनमें से एक बोलोग्ना, दो वेरोना और छह फ्लाइट्स को मिलान मालपेंसा के लिए रूट डायवर्ट किया गया। मिलान बर्गामो के एक प्रवक्ता ने X (ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, "मिलान बर्गामो एयरपोर्ट पर उड़ान संचालन को टैक्सीवे पर हुई एक समस्या के कारण निलंबित कर दिया गया था। समस्या के कारणों की वर्तमान में अधिकारियों द्वारा जांच की जा रही है।"

मौजूद हैं कई विकल्प, जरूर लें मनचाहे परिवार का संकल्प

विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) पर विशेष

मुकेश कुमार शर्मा

'युवाओं को एक निष्पक्ष और आशापूर्ण दुनिया में अपने मनचाहे परिवार की रचना करने के लिए सशक्त बनाना' थीम पर मनाया जा रहा विश्व जनसंख्या दिवस

आज विश्व के अधिकतर देश आर्थिक अनिश्चितता, लैंगिक असमानता, जलवायु संकट, स्वास्थ्य चुनौतियों जैसी तमाम समस्याओं से जूझ रहे हैं, फिर भी युवा वर्ग बेहतर प्रदर्शन कर विकास की रफ़्तार को बनाये रखने की हरसम्भव कोशिश में जुटा है। ऐसे में आज दुनिया के सभी देशों को ऐसी नीतियों को तैयार करने व व्यवस्था बनाने की आवश्यकता है जो भविष्य के कर्णधारों को अच्छी शिक्षा, उच्च स्वास्थ्य सेवा, बेहतर कार्य संस्कृति और प्रजनन अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित कराने वाली हो। यह भी जरूरी है कि युवाओं के सामने ऐसे सुविधाजनक विकल्प आसानी से मौजूद हों कि वह अपने मनचाहे परिवार के आकार के बारे में स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकें। इस विश्व जनसंख्या दिवस पर हमें तमाम युवाओं पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ ही उनको परिवार की रूपरेखा तैयार करने के लिए बेहतर विकल्प मौजूद कराना भी सुनिश्चित करना चाहिए। इसी को देखते हुए इस साल विश्व जनसंख्या दिवस की थीम-'युवाओं को एक निष्पक्ष और आशापूर्ण दुनिया में अपना मनचाहा परिवार बनाने के लिए सशक्त बनाना' तय की गयी है। यह थीम यह भी सीख देती है कि युवा वर्ग को स्वस्थ, सुखी और समृद्ध भारत के निर्माण में अनवरत संलग्न रहने के अनुकूल वातावरण प्रदान करना हम सभी की बड़ी जिम्मेदारी है।

युवा वर्ग भी स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर खुलकर हर हाल में आपस में बात करें। पति-पत्नी आपस में बात करें कि उन्हें कब और कितने बच्चे चाहिए और बच्चों के जन्म में अंतर रखने के लिए किस साधन को कब अपनाना बेहतर होगा। यह सुविधाएँ किस तरह के सुविधा केंद्र से प्राप्त की जा सकती हैं। इस तरह खुद के साथ घर-परिवार की बेहतरी और माँ-बच्चे की अच्छी सेहत व खुशहाल भविष्य के लिए जरूर सोच-समझकर ही कोई फैसला लें। परिवार नियोजन में युवा दम्पति अहम भूमिका निभा सकते हैं । इसके लिए जरूरी है कि वह शुरू के दो-तीन साल जरूर परिवार को बढ़ाने से बचें क्योंकि यह वह समय होता है जब वह एक-दूसरे को भलीभांति समझें। आर्थिक रूप से भी अपने को मजबूत बनायें फिर परिवार बढ़ाने के बारे में पति-पत्नी आपस में बात करें और परिवार के बड़ों की सलाह से ही बच्चे का प्लान करें। परिवार की भी बड़ी जिम्मेदारी बनती है कि शादी के तुरंत बाद बच्चे के लिए दम्पति पर दबाव बनाने से बचें।

सरकारी स्वास्थ्य इकाइयों पर बच्चों के जन्म में पर्याप्त अंतर रखने के लिए अस्थायी साधन के तहत ओरल पिल्स, पुरुष कंडोम, आईयूसीडी, त्रैमासिक गर्भ निरोधक इंजेक्शन अंतरा व हार्मोनल गोली छाया (सैंटोक्रोमान) उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन किट (कंडोम बॉक्स) की भी व्यवस्था की गयी है ताकि पुरुषों को बिना झिझक वहां से कंडोम या महिलाओं को अन्य परिवार नियोजन के साधन प्राप्त करने में आसानी हो। इसमें कंडोम के साथ प्रेगनेंसी चेकअप किट और आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियों को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा सरकारी स्वास्थ्य इकाइयों पर परिवार नियोजन के स्थायी साधन के तहत महिला व पुरुष नसबंदी (एनएसवी) की सेवा उपलब्ध है, जो कि परिवार पूरा होने पर अपनाई जाने वाली सुरक्षित और कारगर सेवा है। शारीरिक बनावट के मुताबिक़ महिला नसबंदी की अपेक्षा एनएसवी बेहद सरल और सुरक्षित है। इसमें महज कुछ मिनट लगते हैं। एनएसवी के दो-तीन दिन बाद पुरुष अपने काम पर भी आराम से जा सकते हैं जबकि महिलाओं को कम से कम एक हफ्ते तक पूरी तरह से आराम की जरूरत होती है। इसलिए पुरुष यह न सोचें कि परिवार नियोजन या परिवार की सेहत का ख्याल रखना सिर्फ और सिर्फ महिलाओं की जिम्मेदारी है। इसमें वह भी बराबर की जिम्मेदारी निभाएं और परिवार को स्वस्थ व खुशहाल बनाने में भागीदार बनें।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

ब्लॉग

बिहार चुनावों में महिलाओं पर दांव के निहितार्थ

ललित गर्ग

बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने अभी तक मतदान की तारीखों की घोषणा नहीं की है, लेकिन राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विभिन्न राजनीतिक दल लुभावनी घोषणाएं कर रहे हैं, नये-नये मुद्दों को उछाला जा रहा है। गोपाल खेमका हत्याकांड हो या तंत्र मंत्र के चलते एक ही परिवार के पांच लोगों को जला देने की त्रासद घटना- नीतीश कुमार पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान पर संदेह के सवालों के साथ मुखर विपक्षी दल इसके खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के साथ ही कानून विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इस बीच, एनडीए की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने एनडीए से दूरी बनाते हुए बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का संकेत देकर सियासी परिदृश्य को दिलचस्प बना दिया है। इन्हीं परिदृश्यों के बीच बिहार सरकार ने सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के फैसला लेकर चुनावी सरगर्मियों को एक नया मोड़ दे दिया है। बिहार सरकार का यह निर्णय केवल एक चुनावी रणनीति भर नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक परिवर्तन का संकेतक भी है। तय है कि इस बार के बिहार चुनाव के काफी दिलचस्प एवं हंगामेदार होंगे।

सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण के गहरे निहितार्थ हैं। एनडीए की नीतिश सरकार ने स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता देने एवं उनके लिए सरकारी रोजगार उपलब्ध कराने के इस ब्रह्मास्त्र को दाग कर चुनावी समीकरण अपने पक्ष में कर लिये हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे "महिला सशक्तिकरण का राजनीतिक समाधान" बताया, क्योंकि राज्य की महिलाएँ कई चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। पिछली लोकसभा चुनाव में महिलाओं की मतदान दर पुरुषों से कहीं अधिक रही, 59.45 प्रतिशत महिलाओं ने हिस्सा लिया जबकि पुरुष केवल 53 प्रतिशत मतदान करने पहुंचे। यह आंकड़ा दिखाता है कि चुनावी जीत में महिला मतदाता कितनी निर्णायक हो सकते हैं, साफ है, सत्ता की चाबी वहां महिलाओं ने अपने हाथों में ले ली है और वे धार्मिक व जातिगत आग्रहों से अधिक लैंगिक हितों से प्रेरित हैं। बिहार उन शुरुआती राज्यों में एक है, जिसने पंचायत और स्थानीय निकायों में आधी आबादी के लिए पचास फीसदी सीटें आरक्षित की हैं। इस कदम ने यहां की स्त्रियों में जबर्दस्त राजनीतिक जागरूकता पैदा की है। चुनावों की दशा एवं दिशा बदलने में महत्वपूर्ण एवं निर्णायक किरदार निभाने के कारण ही हरेक राजनीतिक दल महिला वर्ग को आकर्षित करने में जुट गया है। राजद-कांग्रेस-वाम दलों का महागठबंधन 'माई-बहिन मान योजना' के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये देने का वायदा कर चुका है, तो राजद नेता तेजस्वी यादव बेरोजगारी और डोमिसाइल के मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं। ऐसे में, नीतीश सरकार के इस नीतिगत दांव को समझा जा सकता है। जातिगत और स्थानीय समीकरण भुनाने के लिए निश्चित ही यह एक संगठित चाल है, जहां जाति और आवासीयता दोनों को आधार बनाया गया।

यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत में शैक्षिक क्षेत्र में लैंगिक खाई लगातार सिमट रही है। बिहार की बेटियां देश के अनेक महानगरों में अपनी योग्यता और मेहनत के दम पर पहचान बना चुकी हैं। सूचना क्रांति, बढ़ती अपेक्षाओं और सामंती बंधनों के ढीले पड़ते जाने के कारण अब ग्रामीण बिहार की बेटियां भी ऊंचे सपने संजो रही हैं। हाल ही में बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति के दौरान यह देखा गया कि देश के विभिन्न प्रदेशों की योग्य लड़कियां इंटरव्यू देने आईं, जिनमें से अनेक ने सफलता प्राप्त की और अब बिहार के सरकारी स्कूलों में अध्यापन कर रही हैं। निस्संदेह, यह एक सैद्धांतिक रूप से प्रगतिशील और समावेशी समाज का प्रतीक है, जहाँ महिलाएं सीमाओं से परे जाकर अपनी पहचान बना रही हैं। लेकिन व्यावहारिक धरातल पर देखें, तो महिला सुरक्षा, सामाजिक असमानता, आवास व पारिवारिक बाधाएं, और प्रवास की मजबूरियाँ अब भी मौजूद हैं। ऐसे में यदि सरकारें योग्य महिलाओं को उनके घर के आस-पास ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं, तो यह न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम होगा, बल्कि सामाजिक संरचना में स्थिरता और पारिवारिक सहूलियत का भी कारण बनेगा। यही कारण है कि नीतीश कुमार सरकार महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए एक के बाद एक योजनाएं ला रही है। साइकिल योजना, पोशाक योजना, कन्या उत्थान योजना, वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि, पिंक टॉयलेट, महिला पुलिस भर्ती में आरक्षण जैसे कई कदम इस सिलसिले में पहले ही उठाए जा चुके हैं। यह मान्यता कि बेटियां अब सिर्फ अपने घरों की शोभा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भागीदार हैं, नीति निर्माण में स्पष्ट झलकने लगा है। यह न केवल बिहार की महिलाओं को उनके अधिकार का अनुभव कराएगा, बल्कि बेरोजगारी से जूझते प्रदेश में स्थानीय प्रतिभा के पलायन को भी रोकेगा। इस फैसले से खास तौर पर निम्न और मध्यमवर्गीय महिलाओं को फायदा होगा, जिनके लिए दूसरे शहरों में जाकर नौकरी करना एक बड़ा पारिवारिक और सामाजिक संकट बन जाता है। घर के पास नौकरी मिलने से न केवल सुरक्षा की भावना बढ़ेगी, बल्कि समाज में महिलाओं की स्थायी उपस्थिति और भूमिका भी मजबूत होगी।

हालांकि इस फैसले को लेकर विपक्षी दलों की मिश्रित प्रतिक्रिया सामने आई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इसे नीतीश कुमार की चुनावी चाल बताया है और आरोप लगाया है कि सरकार महिलाओं की वास्तविक समस्याओं को दूर नहीं कर पा रही, बल्कि सिर्फ भावनात्मक मुद्दों को उछालकर वोट बटोरने की कोशिश कर रही है। तेजस्वी यादव का कहना है कि "महिला आरक्षण सही है, लेकिन रोजगार के अवसर कब हैं? सरकारी नियुक्तियों की प्रक्रिया वर्षों से लटकी रहती है, परीक्षा की तारीखें टलती हैं, नियुक्ति पत्र देर से आते हैं, ऐसे में आरक्षण का लाभ कब और किसे मिलेगा?" उनकी बातों में सच्चाई भी है, क्योंकि प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और समयबद्धता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी आरक्षण की नीति। यह महिला आरक्षण अब केवल बिहार के स्थायी निवासियों अर्थात डोमिसाइल महिलाओं के लिए ही होगा। यानी जो महिलाएं राज्य की स्थायी निवासी नहीं हैं, उन्हें इस आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा-उन्हें सामान्य श्रेणी में आवेदन करना होगा। इसलिये इसे केवल घरेलू हितों को साधने वाला प्रत्यक्ष प्रचार माना जा रहा है, जिसमें गैर-स्थायी निवासियों को अवसरों से वंचित किया जा रहा है। विपक्ष इस कदम को डोमिसाइल नीति के अनुरूप बताते हुए सवाल उठा रहा है कि क्या इससे सामाजिक न्याय और समान अवसर की भावना नहीं बिगड़ जाएगी?

बिहार में बेरोजगारी चुनावी चर्चा का मुख्य मुद्दा है। युवा खासकर उच्चशिक्षित वर्ग नौकरी की तलाश में है। 35 प्रतिशत आरक्षण के साथ-साथ सरकार ने वेकेंसी क्रिएशन, युवा आयोग गठन, कृषि व सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च जैसे उपाय किए है। 2025 के बिहार चुनाव बहुआयामी लड़ाई से परिपूर्ण है, जातिगत समीकरण, युवा और ग्रामीण विकास, मतदाता सूची संशोधन जैसे मुद्दों ने चुनावी माहौल को गहराई दी है। सरकार ने पिछले बजट में 'महिला हाट', 'पिंक बस', 'पिंक टॉयलेट', स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए साइकिल योजनाएं, दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए "संबल" वित्तीय सहायता जैसी महिलाओं को लुभाने वाली योजनाओं के प्रावधान किये हैं। नीतीश सरकार ने चुनावों को देखते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत मिलने वाली राशि में भारी बढ़ोतरी की घोषणा की है। अब वृद्ध, दिव्यांग और विधवा महिलाओं को प्रतिमाह 400 रुपए की बजाय 1100 रुपए पेंशन मिलेगी। इस घोषणा के बाद पूरे बिहार में पेंशन के 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार लाभार्थियों में हर्ष का माहौल दिखाई दे रहा है। यह कहना उचित होगा कि बिहार की राजनीति इस बार स्थानीयता, जातिगत समीकरण और सामाजिक कल्याण के मिश्रित आरोपणों के बीच गंभीर मुठभेड़ के दौर से गुजर रही है। चुनाव नतीजे यह तय करेंगे कि क्या यह रणनीतियाँ सचमुच सतत परिवर्तन की ठोस बुनियाद रखेंगी, या चुनावी भाषण के बाद हवा में खो जाएँगी। नवीनतम ओपिनियन पोल बताते हैं कि एनडीए फिर सत्ता में लौट सकता है, खासकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के बीच मजबूत समर्थन के चलते। वहीं, महागठबंधन (आरजेडी, कांग्रेस, अन्य) जातीय समीकरण (ईबीसी-ओबीसी) का आधार लेकर मुकाबले । में है।

'बिजली नहीं आ रही साहब...', समस्या सुनकर मंत्री ने दिखाया विक्ट्री साइन, फिर 'जय श्रीराम' का नारा लगाकर चलते बने

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें जब स्थानीय लोग उनसे बिजली न आने की शिकायत कर रहे हैं तो वह (एकेशर्मा) शिकायत को नजरअंदाज करके 'जयश्रीराम' की नारेबाजी करते हुए अपनी कार में बैठे और आगे बढ़ गए। यह वीडियो बुधवार का बताया जा रहा है, जब ऊर्जा मंत्री एके शर्मा जौनपुर से सुल्तानपुर जा रहे थे। इस दौरान सूरापुर कस्बे में व्यापारियों ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को रोककर उनसे अपनी शिकायत बताई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा बुधवार को जौनपुर के सुंइथाकला ब्लॉक में 'एक पेड़ मां के नाम 2।0' कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे थे। सूरापुर कस्बे में एके शर्मा का काफिला पहुंचा तो स्थानीय व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और व्यापारियों ने उन्हें रोक लिया। इस दौरान व्यापारियों ने विजेथुआ महावीर धाम के हनुमानजी की तैलीय तस्वीर देकर स्वागत किया गया। स्वागत समारोह के दौरान ही व्यापारी अपनी समस्या बताने लगे।

तीन से चार घंटे बिजली गुल

व्यापारियों ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा से कहा, 'कस्बे में सिर्फ तीन से चार घंटे बिजली मिलती है... व्यापारी परेशान हैं... केवल तीन घंटे बिजली आ रही है।। एसडीओ बोर्ड लगाकर बैठा है कि 11 बजे से 3 बजे तक ही बिजली मिलेगी।' ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने व्यापारियों की शिकायत का जवाब देने की बजाय उन्हें नजरअंदाज कर दिया और जय श्रीराम-जय बजरंग बली का जयकारा लगाकर आगे बढ़ गए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

मंत्री जी को बताईं समस्याएं

सूरापुर व्यापार मंडल के अध्यक्ष वीके अग्रहरि विजय के नेतृत्व में व्यापारियों ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को रोककर अपनी समस्याएं बताई थी। इस दौरान चार सूत्रीय ज्ञापन भी दिया गया था, जिसमें सब स्टेशन की क्षमता बढ़ाने, उसके जर्जर तारों को बदलने के साथ ही सूरापुर व करौदीकला में लगे पांच-पांच एमवीए के ट्रांसफॉर्मर की क्षमता 10-10 एमवीए करने, बाजार का फीडर गांव के फीडर से अलग करने की मांग की गई थी।

किसी के जाने पर लोग भावुक होते हैं तो किसी के जाने पर बांटते हैं मिठाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। जनपद के पुलिस विभाग में बीते दिवस तबादला एक्सप्रेस को पटरी पर दौड़ाया गया जिसमें करीब एक दर्जन थाना प्रभारियों को इधर से उधर किया गया जिसमें कुछ लोगों को तो जोन से बाहर भेजा गया। लोगों की कार्यशैली की बात करें तो कुछ लोग अपनी कार्यशैली से अपने स्टाफ व जनता को इतना प्रभावित करते हैं कि उनके जाने का नाम सुनते ही स्वतः ही लोगों की आंखों में आंसू आ जाते है लोगों के मुख से यही निकलता है कि काश ये साहब कुछ दिन और रह जाते पर कुछ ऐसे होते है जिनकी अपनी कुटिल, भ्रष्ट, कार्यशैली से चाहें आम जनता हो या उनका खुद का स्टाफ हो सभी इतना प्रताड़ित हो चुके होते है कि भगवान से प्रतिदिन ऐसे भ्रष्ट, कुटिल, असभ्य, अमर्यादित भाषा बोलने वाले के शीघ्र ही जाने की प्रार्थना प्रतिदिन करते हैं और उनकी प्रार्थना कुबूल होते ही उनके चेहरे पर एक नई खुशी आ जाती है इतना ही नहीं ऐसे लोगों के क्षेत्र से जाते ही लोग आपस में मिठाई बांटकर एक दूसरे को पार्टी देकर खुशी का इजहार करते हैं। सूत्र बताते हैं कि इस ट्रांसफर सूची में भी एक ऐसा ही नाम आया है जिसके जाने की खुशी से लोग फूले नहीं समा रहे हैं। जी हां सूत्रों की मानें तो तिकुनियां कोतवाली प्रभारी रहे अमित सिंह भदौरिया के जाने की बात सुनते ही पुलिस स्टाफ सहित क्षेत्र के लोग भी बहुत खुश हैं यही नहीं इससे पहले सिंगाही से तबादला होने पर वहां के भी स्टाफ ने भी खूब जमकर मिठाई बांटी थी। ऐसे लोगों को ऐसी घटनाओं से सबक लेकर अपने आचरण, व्यवहार, वाणी, और कार्यशैली में परिवर्तन लाना चाहिए।

पहले पिलाई शराब... फिर धड़ से काटकर अलग कर दिया सिर, पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में इंदौर के राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी जैसे मामला सामने आया है। उन्नाव में एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति का सिर धड़ से काटकर अलग कर दिया और सिर कटी लाश को फेंक दिया। महिला का प्रेमी हाल ही में विदेश से लौटा था। उसने अपने दोस्त और महिला के साथ मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया।

दरअसल, ये मामला उन्नाव के बदरका क्षेत्र के तुर्किहा बदरका गांव से सामने आया है, जहां रहने वाले इमरान नाम के शख्स की पत्नी शीबा ने उसकी अपने प्रेमी फरमान के साथ मिलकर हत्या कर दी। फरमान के साथ शीबा पिछले तीन साल से अफेयर चल रहा था। फरमान अपने दोस्त रफीक के साथ 25 दिन पहले ही सऊदी अरब से वापस आया था।

इमरान शराब का आदी था। वह आए दिन शराब पीकर घर आता था और घर में शीबा के साथ लड़ाई-झगड़ा करता था। वह ई-रिक्शा चलाता और अपने परिवार का पेट पालता था। लेकिन इससे वह शीबा की ख्वाहिशें पूरी नहीं कर पा रहा था। फरमान के सऊदी से आने के बाद वह शीबा से मिला। लेकिन इमरान को दोनों की मुलाकात के बारे में पता चल गया, जिसके बाद इमरान ने शीबा के साथ मारपीट की और उसके घर से बाहर आने-जाने पर रोक लगा दी। इसके बाद जब ये बात शीबा ने फरमान को बताई तो दोनों ने इमरान की हत्या करने की साजिश रची। उन्होंने प्लान बनाया और इमरान की हत्या कर दी। इसमें शीबा और फरमान का साथ उसके दोस्त रफीक ने भी दिया। उन्होंने पहले इमरान को शराब पिलाई और बाइक पर अपने साथ बैठाकर ले गए। फिर उसका गला सिर से अलग कर दिया और शव को सिटी ड्रेन में दलदल में फेंक दिया।

पत्नी और प्रेमी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस को इमरान की सिर कटी लाश कंचनखेड़ा के पास सिटी ड्रेन में कीचड़ से मिली थी, जिसकी पहचान की गई और मामले की जांच शुरू की गई। मंगलवार को पुलिस ने मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने इमरान की पत्नी शीबा और प्रेमी फरमान को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं फरमान का दोस्त रफीक अभी फरार है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

डायरिया से डरें नहीं सतर्क रहें, रोकथाम व उपचार पूरी तरह संभव : डॉ. पिंकी जोवल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। डायरिया के प्रति जागरूकता के लिए प्रदेश में संचालित डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैंपेन) के अंतर्गत बृहस्पतिवार को नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इंदिरा नगर से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश की मिशन निदेशक डॉ0 पिंकी जोवल ने रवाना किया।

डायरिया से बचाव, कारण, उपचार और रोकथाम सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर/बैनर और ऑडियो/वीडियो से सुसज्जित यह प्रचार वाहन राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर समुदाय में डायरिया के प्रति जन जागरूकता लाएंगे। मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उप्र डा. पिंकी जोवल ने इस मौके पर ओआरएस/जिंक कार्नर और हस्ताक्षर अभियान का भी शुभारम्भ किया। उन्होंने पौधरोपण कर इस दिशा में सभी से आगे आने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि आज भी शून्य से पांच साल तक के बच्चों की मौत का एक प्रमुख कारण डायरिया है, जबकि दस्त की रोकथाम और उपचार पूरी तरह संभव है। इसलिए डायरिया से डरने की नहीं बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी और नमक की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए। इसके साथ ही जिंक टैबलेट उम्र के अनुसार निर्धारित खुराक और निर्धारित अवधि तक देना शुरू कर देना चाहिए। ओआरएस जहाँ शरीर में पानी की कमी को दूर करता है वहीँ जिंक दस्त की अवधि को कम करता है। इसके साथ ही बच्चे की इम्युनिटी को भी मजबूत बनाता है। डायरिया के दौरान यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि मां का दूध पीने वाले बच्चे को दस्त के दौरान भी स्तनपान जारी रखें। मां का दूध बच्चे को पोषण और ताकत देता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ, डॉ. एन. बी. सिंह ने कहा कि बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 के महाप्रबंधक- बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ. मिलिंद वर्धन ने कहा कि डायरिया के प्रति समुदाय स्तर पर जनजागरूकता बढ़ाने और लोगों को ओआरएस और जिंक की महत्ता को भलीभांति समझाने के लिए पूरे प्रदेश में 16 जून से 31 जुलाई तक वृहद स्तर पर स्टॉप डायरिया कैम्पेन चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। इसके तहत जिलों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिसमें विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाएं भी स्वास्थ्य विभाग का सहयोग कर रही हैं।

गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ बम्हनपुर में मनी गुरु पूर्णिमा, वृक्षारोपण का लिया संकल्प

आर्यावर्त संवाददाता

निघासन खीरी। गुरुवार, 10 जुलाई 2025 को बम्हनपुर कस्बे के पलिया–निघासन रोड स्थित गायत्री मंदिर में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक रीति से गायत्री मंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए। श्रद्धालुओं ने यज्ञ में भाग लिया और गुरु समर्पण कर अपने जीवन में सद्गुरु के मार्गदर्शन के महत्व को स्वीकारा।

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने हाथ उठाकर संकल्प लिया कि वे इस गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाएंगे। इसके साथ ही लोगों ने एक-दूसरे को टीका लगाकर आपसी सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रम में दूर-दूर से आए भक्तों ने भागीदारी निभाई और गुरु पूर्णिमा के महत्व की जानकारी भी साझा की गई। समापन में प्रसाद वितरण के साथ भक्तों ने समाज और पर्यावरण के कल्याण हेतु अपना योगदान देने का आह्वान किया।

डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए तीन प्रचार वाहन रवाना

» **31 जुलाई तक चलने वाले डायरिया रोको अभियान में पीएसआई इंडिया व केनव्यू कर रहे सहयोग**

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जय राम सिंह, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ सिंह, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ नरेंद्र सिंह ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से तीन प्रचार वाहनों को रवाना किया। इस मौके पर जिला कार्यक्रम प्रबन्धक इंतजार अहमद भी उपस्थित रहे। यह प्रचार वाहन नगर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर समुदाय को शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में प्रचार-प्रसार करेंगे।

इस मौके पर डॉ. जय राम सिंह ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जनजागरूकता बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए डायरिया के प्रति जागरूकता सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर से सुसज्जित यह प्रचार वाहन समस्त नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं ग्रामीण ब्लॉक के अचलगंज, बीघापुर, बिछिया, सिकंदरपुर सिरोसि, फतेहपुर 84 के क्षेत्रों से होकर गुजरेंगे। डॉ. जय राम सिंह ने कहा कि जिले में 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी सहयोग कर रहे हैं। अभियान की इस साल की थीम- "डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान" तय की गयी है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है।

इस मौके पर डॉ. जय राम सिंह ने कहा कि बारिश और उमस के दौरान डायरिया के मामले बढ़ जाते हैं। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक लेना बहुत जरूरी होता है। डायरिया रोको अभियान के प्रभावी संचालन एवं अधिक से अधिक जनसामान्य तक स्वास्थ्य सन्देश पहुंचाने के लिए प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर ओआरएस व जिंक कार्नर बनाये जा रहे हैं। इस मौके पर पीएसआई इंडिया से गजेन्द्र सिंह एवं अशरफ हुसैन भी उपस्थित रहे।

प्लाट व फ्लैट खरीदना अब महंगा, 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ेगा सर्किल रेट, अगस्त से होगा लागू

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में सर्किल रेट बढ़ाने की तैयारी है। इस संबंध में प्रस्ताव का जिलाधिकारी (DM) ने अनुमोदन कर दिया है। इसके लिए शुक्रवार को जनपद स्तरीय कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक सभी एसडीएम, तहसीलदार व उप निबंधकों की महत्वपूर्ण बैठक होगी। इसके बाद अगस्त से नया सर्किल रेट लागू कर दिया जाएगा। अगस्त के पहले हफ्ते से बढ़े रेट पर बैनामे होंगे। निबंधन विभाग इसकी तैयारी कर रहा है। लगभग तीन वर्ष बाद जनपद में नया सर्किल रेट लागू होने जा रहा है। इसके तहत सिविल लाइंस क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर 35 से 40 प्रतिशत तक प्लाट व फ्लैट का सर्किल रेट बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसका डीएम ने अनुमोदन कर दिया है। अभी सिविल लाइंस क्षेत्र का सर्किल रेट 60 से 70 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर है। सिविल लाइंस में महात्मा गांधी मार्ग पर सर्किल रेट 65 से 70 प्रतिशत है। इसके अलावा ड्रमंड रोड, एसपी रोड, थार्नहिल रोड का भी सर्किल रेट लगभग 60 से 65 हजार वर्ग मीटर है। सिविल लाइंस में मार्गों के आधार पर सर्किल रेट बढ़ाने का प्रस्ताव है। अशोक नगर का वर्तमान मे सर्किल रेट दूसरे नंबर पर है। यहां 55 से 60 हजार रुपये वर्ग मीटर तो जार्ज टाउन व टैगोर टाउन में विभिन्न मार्गं व गलियों का सर्किट रेट लगभग 50 से 55 हजार वर्ग मीटर है। जार्ज टाउन, टैगोर टाउन, अशोक नगर, कर्नलगंज, मम्फोर्डगंज में मार्गों के आधार पर ही 30 प्रतिशत रेट बढ़ सकता है। शहर के अन्य हिस्सों में 20 से 30 प्रतिशत सर्किल रेट बढ़ेगा। बारा तहसील में राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ करछना तहसील के नैनी क्षेत्र में, सोरांव तहसील के फाफामऊ क्षेत्र व फूलपुर तहसील के झूंसी इलाके में भी 20 से 25 प्रतिशत सर्किल रेट बढ़ सकता है।

कांवड़ मार्ग पर नीलकंठ रेस्टोरेंट का मालिक निकला शराफत हुसैन, मिली हिदायत- या तो बंद करो या फिर...

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा कांवड़ मार्ग पर स्थित होटलों और रेस्टोरेंट्स में क्यूआर कोड लगाने की प्रक्रिया चल रही है। इस अभियान के तहत, विभाग की एक टीम रामपुर रोड पर दिल्ली-लखनऊ हाईवे के कांवड़ मार्ग पर स्थित नीलकंठ फैमिली रेस्टोरेंट पहुंची। इस दौरान एक चौंकाने वाला खुलासा तब हुआ, जब रेस्टोरेंट के लाइसेंस की जांच की गई। लाइसेंस में मालिक का नाम शराफत हुसैन दर्ज था, जिसके बाद प्रशासन ने रेस्टोरेंट का नाम बदलने की सख्त हिदायत दी है।

अब नीलकंठ रेस्टोरेंट को होटल महिक ने एक महीने के लिए बंद कर दिया। इतना ही नहीं शराफत हुसैन ने रेस्टोरेंट का नाम फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की जांच के बाद हटा दिया है। फूड सेफ्टी और प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। सावन के पवित्र माह में कांवड़ यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार ने होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को अपने नाम स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग सक्रिय

इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। नीलकंठ फैमिली रेस्टोरेंट, जो कांवड़ मार्ग पर वर्षों से संचालित हो रहा है, इसकी जांच के दौरान विभाग की टीम ने पाया कि इसका नाम धार्मिक भावनाओं के अनुरूप नहीं है। लाइसेंस की जांच में यह तथ्य सामने आया कि रेस्टोरेंट का स्वामित्व शराफत हुसैन के पास है।

प्रशासन ही नहीं स्थानीय लोग भी आश्चर्यचकित

इस खुलासे ने न केवल प्रशासन को बल्कि स्थानीय लोगों को भी आश्चर्यचकित कर दिया। खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक आयुक्त राजवंश श्रीवास्तव ने इस मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार कावड़ मार्ग पर सभी होटलों और रेस्टोरेंट्स में क्यूआर कोड लगाने का कार्य किया जा रहा है। इस प्रक्रिया के तहत जब नीलकंठ फैमिली रेस्टोरेंट का लाइसेंस जांचा गया, तो उसमें मालिक का नाम शराफत हुसैन पाया गया।

रेस्टोरेंट मालिक ने नाम बदलने का दिया आश्वासन

उन्होंने कहा, नीलकंठ जैसे धार्मिक नाम से रेस्टोरेंट चलाने की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि यह कांवड़ यात्रियों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है। इसलिए, शराफत हुसैन को दो दिनों के भीतर रेस्टोरेंट का नाम बदलने या इसे बंद करने की हिदायत दी गई है। शराफत हुसैन ने इस संबंध में खाद्य सुरक्षा विभाग को आश्वासन दिया है कि वह रेस्टोरेंट का नाम शीघ्र ही बदल देंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रेस्टोरेंट का नाम पहले से ही इस तरह रखा गया था और इसका कोई गलत इरादा नहीं था।

दो दिनों के भीतर नहीं बदला नाम तो होगी कार्रवाई

वहीं प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यदि दो दिनों के भीतर नाम नहीं बदला गया तो रेस्टोरेंट के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें इसे बंद करना भी शामिल हो सकता है। यह घटना मुरादाबाद में चर्चा का विषय बन गई है। कांवड़ यात्रा सावन माह में लाखों श्रद्धालुओं द्वारा की जाती है। उत्तर प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है। इस दौरान प्रशासन विशेष रूप से सतर्क रहता है, ताकि श्रद्धालुओं की सुविधा और उनकी धार्मिक भावनाओं का सम्मान सुनिश्चित हो सके। नीलकंठ रेस्टोरेंट का मामला भी इसी दिशा में उठाया गया एक कदम है।

स्थानीय लोगों का क्या कहना है?

स्थानीय लोगों का कहना है कि कांवड़ मार्ग पर इस तरह के रेस्टोरेंट्स का नाम धार्मिक प्रतीकों से जोड़ा जाना संवेदनशील हो सकता है। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि नीलकंठ भगवान शिव का नाम है और कावड़ यात्रा में इस नाम का विशेष महत्व है। ऐसे में रेस्टोरेंट का नाम बदलना उचित कदम है। कुछ अन्य लोगों का मानना है कि यह नियम सभी के लिए समान रूप से लागू होना चाहिए, ताकि किसी भी समुदाय की भावनाएं आहत न हों।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि क्यूआर कोड लगाने की प्रक्रिया न केवल पारदर्शिता बढ़ाने के लिए है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी है कि सभी रेस्टोरेंट्स खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करें। इस अभियान के तहत मुरादाबाद जिले के सभी प्रमुख होटलों और रेस्टोरेंट्स की जांच की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या व्यवसायों को अपने नामकरण में धार्मिक प्रतीकों का उपयोग करना चाहिए, खासकर उन क्षेत्रों में जहां धार्मिक संवेदनशीलता अधिक है।

यूपी में नेम प्लेट विवाद बना सियासी मुद्दा

प्रशासन का यह कदम कांवड़ यात्रा के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में एक प्रयास है। उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्ग पर होटल और दुकानों के नेम प्लेट को लेकर विवाद गहरा गया है। सरकार के आदेश के अनुसार, कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानदारों को अपनी नेम प्लेट पर मालिक का नाम प्रदर्शित करना अनिवार्य है। बीजेपी का कहना है कि यह कदम पारदर्शिता और कावड़ियों की भावनाओं की रक्षा के लिए है। वहीं, विपक्ष ने इसे धार्मिक आधार पर भेदभाव करार दिया है।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने सरकार पर समुदाय विशेष को निशाना बनाने का आरोप लगाया। इस मुद्दे ने सोशल मिडिया पर भी जोर पकड़ा, जहां लोग धार्मिक संवेदनाओं और स्वतंत्रता पर बहस कर रहे हैं।

डल स्किन को कहें अलविदा! अपनाएं ये आसान मेकअप टिप्स और पाएं इंस्टेंट ग्लो

थका हुआ चेहरा न केवल आपकी खूबसूरती को छिपाता है, बल्कि आपके आत्मविश्वास को भी कम कर देता है। लेकि डल स्किन को कहें अलविदा! अपनाएं ये आसान मेकअप टिप्स और पाएं इंस्टेंट ग्लोन सही मेकअप आपके चेहरे की इस थकान को छिपाने में मदद कर सकता है।

आपके लिए घर से लेकर ऑफिस तक सब कुछ मैनेज कर पाना आसान नहीं होता है। हालांकि आप हर संभव कोशिश करती हैं और यही कोशिशें चेहरे पर थकान बनकर उभर जाती हैं, जो आपके आत्मविश्वास को कम करती हैं। लेकिन सही मेकअप तकनीक से चेहरे की थकान को छिपाया जा सकता है, यानी कि आप तरोताजा और चमकदार लुक पा सकती हैं। बस, इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

त्वचा की तैयारी

थकी हुई त्वचा अक्सर रूखी और बेजान दिखती है। इसलिए सबसे पहले एक अच्छा मॉइश्चराइजर लगाएं। त्वचा अगर ऑयली है तो जेल-बेस्ड मॉइश्चराइजर चुनें और ड्राई है तो क्रीम-बेस्ड मॉइश्चराइजर बेहतर रहेगा। इसके बाद प्राइमर का उपयोग करें। हल्के हरे रंग का प्राइमर चेहरे पर थकान से उभरी लालिमा को कम करता है, जबकि पीच-टोंड प्राइमर डार्क सर्कल्स को छिपा देता है।

डार्क सर्कल्स

डार्क सर्कल्स चेहरे की थकान को सबसे ज्यादा उजागर करते हैं, जिन्हें एक अच्छा पीच या ऑरेंज टोन वाला कंसीलर आसानी से छिपा सकता है। आप आंखों के नीचे ट्रायंगल शेप में कंसीलर लगाएं और उंगलियों या ब्यूटी ब्लेंडर से हल्के हाथों से इसे ब्लेंड करें। कंसीलर को सेट करने के लिए हल्का ट्रांसलूसेंट पाउडर लगाएं, ताकि मेकअप ज्यादा देर तक टिका रहे।

फाउंडेशन

थकी हुई त्वचा अक्सर असमान रंगत के साथ दिखती है। फाउंडेशन इस समस्या को तुरंत हल करता है। इसलिए त्वचा के रंग से मेल खाता लिक्विड या क्रीम फाउंडेशन चुनें। इसे चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाकर ब्यूटी ब्लेंडर से ब्लेंड करें। अगर त्वचा दाग-धब्बे युक्त है तो फाउंडेशन के बाद कंसीलर का उपयोग जरूर करें।

ब्लश और हाइलाइटर

थकान को हटाने के लिए पिंक या पीच शेड का ब्लश गालों के उभरे हुए हिस्से पर स्माइल करते हुए लगाएं। इससे चेहरा तुरंत फ्रेश और हेल्दी दिखता है। हाइलाइटर को चीकबोन्स, नाक की टिप, भौंहों के नीचे और क्यूपिड्स बो पर हल्के हाथों से लगाएं। यह चेहरे को चमकदार लुक देता है।

आंखों का आकर्षण

आंखों को तरोताजा दिखाने के लिए न्यूड या हल्के पिंक शेड का आईशैडो लगाएं। कर्ल्ड पलकों के लिए आईलैश कर्लर का उपयोग करें और वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा लगाएं। आप हल्का आईलाइनर और काजल भी लगा सकती हैं, लेकिन इसे बहुत भारी न करें।

लिप्स के रंग

होंठों का रंग चेहरे की थकान को कम करने में अहम भूमिका निभाता है।

पिंक, कोरल या न्यूड शेड की लिपस्टिक या लिप ग्लॉस चुनें। अगर होंठ रूखे हैं तो पहले लिप बाम लगाएं। यह होंठों को मॉइश्चराइज करेगा।

सेटिंग स्प्रे

मेकअप को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए सेटिंग स्प्रे का उपयोग करें। आप हल्की चमक वाले सेटिंग स्प्रे को ही चुनें।

वाटर रेसिस्टेंट फॉर्मूला

ब्यूटी एंड मेकअप आर्टिस्ट, दीपिका साहा का कहना है कि चेहरे पर थकान नजर न आए, इसके लिए वाटर रेसिस्टेंट फॉर्मूला वाले सही ब्यूटी प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करें। मेकअप करते समय सबसे पहले हाइड्रेटिंग मॉइश्चराइजर लगाएं, ताकि स्किन फ्रेश दिखे। इसके बाद प्राइमर लगाएं, जिससे मेकअप स्मूद लगे। डार्क सर्कल और थकान छुपाने के लिए ब्राइटनिंग कंसीलर चुनें। लाइटवेट फाउंडेशन या बीबी क्रीम से नेचुरल लुक पाएं। पिंक या पीच टोन का ब्लश और लिक्विड हाईलाइटर से चेहरे पर ग्लो आएगा। आंखों के लिए वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा और न्यूड काजल चुनें। लिप्स पर ब्राइट, लेकिन सॉफ्ट शेड्स वाली लिपस्टिक लगाएं। अंत में हल्की चमक वाले सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें।

महिलाओं के लिए जरूरी हैं ये 5 प्रकार के हील्स फुटवियर्स, जानिए इनके बारे में

हील्स फुटवियर्स महिलाओं के फैशन का अहम हिस्सा है। ये न केवल आपके लुक को खास बनाते हैं, बल्कि इन्हें पहनकर चलना भी आसान हो जाता है। आजकल बाजार में कई तरह की हील्स उपलब्ध हैं, जिनमें ब्लॉक हील्स, वेज हील्स, प्लेटफॉर्म हील्स, स्पूल हील्स और किटन हील्स शामिल हैं। इस लेख में हम आपको इन सभी हील्स के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं ताकि आप अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार चुन सकें।

ब्लॉक हील्स

ब्लॉक हील्स मोटे आधार वाली होती हैं, जो चलने में आरामदायक होती हैं। ये हील्स रोजमर्रा के उपयोग के लिए बेहतरीन विकल्प हैं क्योंकि इनसे पैरों में दर्द नहीं होता और इनका संतुलन भी अच्छा रहता है। ब्लॉक हील्स को किसी भी प्रकार के कपड़े के साथ पहना जा सकता है, चाहे वह जींस हो या साड़ी। इनका मुख्य फायदा यह है कि ये लंबे समय तक पहनने पर भी आरामदायक महसूस होती हैं।

वेजीस हील्स

वेज हील्स पूरी एड़ी को सपोर्ट करती हैं, जिससे चलने में कोई दिक्कत नहीं होती है। ये हील्स रोजमर्रा के उपयोग के लिए बहुत अच्छी होती हैं क्योंकि इनसे पैरों में दर्द नहीं होता और इनका संतुलन भी अच्छा रहता है। वेज हील्स को किसी भी प्रकार के कपड़े के साथ पहना जा सकता है, चाहे वह जींस हो या साड़ी। इनका मुख्य फायदा यह है कि ये लंबे समय तक पहनने पर भी आरामदायक महसूस होती हैं।

प्लेटफॉर्म हील्स

प्लेटफॉर्म हील्स का आधार भी मोटा होता है, जिससे इन्हें पहनकर चलना आसान हो जाता है। ये हील्स खास मौकों पर पहनी जाती हैं जैसे पार्टी या शादी-ब्याह में। प्लेटफॉर्म हील्स का डिजाइन ऐसा होता है कि ये आपके पैरों को लंबा दिखाती हैं और आपके लुक को खास बनाती हैं। इनका मुख्य आकर्षण उनका मोटा आधार होता है, जो इन्हें बेहद आकर्षक बनाता है। इनसे चलने में आरामदायक महसूस होता है।

स्पूल हील्स

स्पूल हील्स पतले आधार वाली होती हैं, लेकिन इनका आकार गोल होता है, जिससे चलने में कोई दिक्कत नहीं होती है। ये हील्स रोजमर्रा के उपयोग के लिए बहुत अच्छी होती हैं क्योंकि इनसे पैरों में दर्द नहीं होता और इनका संतुलन भी अच्छा रहता है। स्पूल हील्स को किसी भी प्रकार के कपड़े के साथ पहना जा सकता है, चाहे वह जींस हो या साड़ी। इनका मुख्य आकर्षण उनका गोल आधार होता है।

किटन हील्स

किटन हील्स छोटी लेकिन स्टाइलिश होती हैं, जिन्हें रोजमर्रा के उपयोग या खास मौकों पर पहना जा सकता है। इनसे चलना आसान होता है और ये आपके लुक को खास बनाती हैं। किटन हील्स का डिजाइन ऐसा होता है कि ये आपके पैरों को लंबा दिखाती हैं और आपके लुक को खास बनाती हैं। इनका मुख्य आकर्षण उनका छोटा लेकिन आकर्षक आधार होता है, जो इन्हें बेहद सुंदर बनाता है।

सावन में सुबह उठते ही करें ये पांच काम, जीवन में आएगा चमत्कारी बदलाव

अगर आप भी चाहते हैं कि आपका हर दिन ऊर्जा और आत्मिक संतुलन से 10
भरपूर हो तो सावन 2025 की सुबह इन 5 जादुई रूटीन के साथ शुरू करें।

सावन का महीना न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह महीना खुद को शुद्ध करने, दिन की शुरुआत सकारात्मक और ऊर्जा के साथ करने का है। सावन के महीने की खूबसूरती जितनी प्रकृति में देखने को मिलती है, उतनी ही अपने मन-मस्तिष्क में उतारने के लिए इस माह में हर दिन की शुरुआत विशेष तरीके से करें। सावन में एक ऐसी रूटीन को अपनाएं तो आपके हर दिन को एक नई ऊर्जा और मानसिक शांति से परिपूर्ण कर दे। अगर आप भी चाहते हैं कि आपका हर दिन ऊर्जा और आत्मिक संतुलन से भरपूर हो तो सावन 2025 की सुबह इन 5 जादुई रूटीन के साथ शुरू करें।

सावन में कैसे करें दिन की शुरुआत

शिव मंत्र जप और ध्यान

सुबह उठते ही शिव मंत्र का जाप करें। जैसे, ₹ॐ नमः शिवाय₹ या ₹महामृत्युंजय मंत्र₹ का उच्चारण कर सकते हैं। इससे मन शांत होगा और पॉजिटिव वाइब्स पूरे दिन बनी रहेंगी। ध्यान से आपकी एकाग्रता बढ़ेगी और मानसिक शांति मिलेगी।

स्नान

जाप और ध्यान के बाद शुद्ध जल से स्नान करें। इसके लिए एक बाल्टी पानी में तुलसी या गंगाजल मिलाएं। यह नकारात्मकता को दूर करता है और शरीर को आध्यात्मिक रूप से शुद्ध करता है।

अर्घ्य और बेलपत्र

नहाने के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। यह हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण अनुष्ठान होता है। इस दौरान सूर्य की ओर देखें। उसके बाद शिवलिंग पर बेलपत्र, दूध या जल अर्पित कर सकते हैं। घर पर दीपक जलाकर ओंकार की ध्वनि चलाएं जिससे घर का वातावरण भी पवित्र हो।

मिनट योग या प्राणायाम

इसके बाद 10 मिनट योगाभ्यास करें। अनुलोम-विलोम, भ्रामरी या सूर्य नमस्कार जैसे योगासन करें। ये शरीर को स्फूर्ति और मानसून में स्वास्थ्य को संतुलित रखते हैं।

धार्मिक पाठ

5-10 मिनट किसी धार्मिक ग्रंथ जैसे शिव पुराण, रामायण, भगवत गीता का पाठ करें या प्रेरणादायक लेख पढ़ें। इससे मानसिक मजबूती और स्पष्ट सोच विकसित होती है।

पौष्टिक और सात्विक आहार

पौष्टिक नास्ता लें। फल, खिचड़ी, ओट्स या सब्जियों का सूप पी सकते हैं। सावन में हो सके तो सात्विक भोजन का सेवन करें। यह मन को शुद्ध और सकारात्मक रखने में सहायक है। साथ ही मानसून में सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

अगर चोरी हो जाए आयुष्मान कार्ड तो कैसे बनवा सकते हैं दोबारा? यहां जानें तरीका

अगर आपका आयुष्मान कार्ड चोरी हो गया है या गुम हो गया है तो क्या आप इस दोबारा बनवा सकते हैं? और अगर हां, तो इसका तरीका क्या है?

आज के समय में अगर कोई बीमार हो जाए और फिर अस्पताल में भर्ती होना पड़े वो भी प्राइवेट अस्पताल में, तो अच्छा खासा बिल बनना तय है। वहीं, सरकारी अस्पताल में तो लोगों का नंबर आने में ही समय लग जाता है जिसके कारण आर्थिक रूप से कमजोर लोग अपना इलाज करने में कई समस्याओं का सामना करते हैं।

इसलिए ही भारत सरकार प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना चला रही है। ये योजना एक स्वास्थ्य योजना है जिसके तहत पहले पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाते हैं और फिर इसी कार्ड से कार्डधारक अपना मुफ्त इलाज करवा सकता है, लेकिन अगर सोचिए ये आयुष्मान कार्ड चोरी हो जाए या गुम हो जाए तो आप कैसे इस कार्ड को दोबारा बनवा सकते हैं? इसका तरीका आप यहां जान सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कैसे दोबारा बनवा सकते हैं आयुष्मान कार्ड...

आयुष्मान कार्ड का लाभ

अगर आप आयुष्मान कार्ड बनवा लेते हैं तो इस कार्ड से आपको मुफ्त इलाज का लाभ मिलता है। आयुष्मान कार्ड की सालाना लिमिट 5 लाख रुपये होती है यानी आप एक साल के अंदर आयुष्मान कार्ड से 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करवा सकते हैं जिसका खर्च सरकार उठाती है।

अगर आपको आयुष्मान कार्ड से मुफ्त इलाज करवाना है तो इसके लिए आपको सूचीबद्ध यानी उन अस्पतालों में जाना होता है, जो इस योजना में पंजीकृत हैं। पीएम आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कई प्राइवेट अस्पताल और सरकारी अस्पताल रजिस्टर्ड हैं। आप अपने शहर के इन अस्पतालों में जाकर मुफ्त इलाज करवा सकते हैं।

कैसे बनवा सकते हैं दोबारा आयुष्मान कार्ड?

स्टेप 1

अगर आपका आयुष्मान कार्ड चोरी या गुम हो गया है तो आप इसे दोबारा प्रिंट करवा सकते हैं

इसके लिए आपको अपने नजदीकी सीएससी सेंटर पर जाना होता है

यहां जाकर संबंधित अधिकारी को मिलें और उन्हें बताएं कि आपका कार्ड गुम या चोरी हो गया है

स्टेप 2

ऐसे में अधिकारी आपसे आपकी कुछ जानकारी मांगता है

साथ ही आपको अपना आधार कार्ड भी यहां देना होता है

फिर आपकी जानकारी को सिस्टम से वेरिफाई किया जाता है

सबकुछ ठीक पाए जाने पर आपको आयुष्मान कार्ड डाउनलोड करके दे दिया जाता है, जिससे आप मुफ्त इलाज का लाभ ले सकते हैं

नामीबिया यूपीआई जैसा पेमेंट सिस्टम बनाएगा, NPCI और देश के सेंट्रल बैंक ने किया लाइसेंसिंग समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और नामीबिया के बीच डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक बड़ा और अहम कदम उठाया गया है। इसके तहत भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सेवा या फिर इसी की तरह का पेमेंट सेवा अब नामीबिया में भी लागू किया जाएगा। इस बात की जानकारी विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी की नामीबिया दौरे के दौरान दी।

विदेश मंत्रालय के सचिव डॉ डम्मू रवि ने बताया कि यह पहली बार है जब भारत की नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) और बैंक ऑफ नामीबिया के बीच इस तरह का लाइसेंसिंग समझौता हुआ है। इसका उद्देश्य नामीबिया में रीयल-टाइम डिजिटल भुगतान प्रणाली को शुरू करना है।

एनआईपीएल और नामीबिया के बैंक के बीच हुआ समझौता

बता दें कि यह समझौता एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और नामीबिया के केंद्रीय बैंक के बीच हुआ है। इससे नामीबिया में डिजिटल भुगतान प्रणाली को मजबूत करने में मदद मिलेगी और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को भी डिजिटल सेवाओं से जोड़ा जा सकेगा।

पीएम मोदी ने नामीबिया में यूपीआई की भागेदारी पर दिया जोर

प्रधानमंत्री मोदी ने नामीबिया की संसद में अपने संबोधन में कहा कि अब लोग तानगी उनेने

कहने से भी पहले पैसे भेज सकेंगे। जल्द ही कुनिने की एक हिमा दादी या कटुतुरा का एक दुकानदार भी सिर्फ एक टैप से डिजिटल लेन-देन कर सकेगा, वो भी स्प्रिंगबोक से तेज।

पीएम मोदी को मिला नामीबिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी को नामीबिया दौरे के दौरान वहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एनशिएंट वेलविचिया मिराबिलिस भी प्रदान किया गया। यह पुरस्कार 1995 में स्थापित किया गया था और यह नामीबिया के अद्वितीय रेगिस्तानी पौधे 'वेलविचिया मिराबिलिस' के नाम पर है, जो संघर्ष, धैर्य और दृढ़ता का प्रतीक माना जाता है। गौरतलब है कि यह पीएम मोदी को मिला 27वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है और इस यात्रा के दौरान मिला चौथा सम्मान है।

यूएई ने गोल्डन वीजा नियमों से जुड़े दावों का खंडन किया, बयान जारी कर दी यह जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के संघीय पहचान, नागरिकता, सीमा शुल्क और बंदरगाह सुरक्षा प्राधिकरण (आईसीपी) ने देश द्वारा कुछ राष्ट्रीयताओं को आजीवन गोल्डन वीजा देने से संबंधित मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि यूएई के अधिकारियों ने गोल्डन वीज़ा से संबंधित आवेदनों के सत्यापन और अग्रेषण के लिए एक

नामांकन प्रक्रिया शुरू की है। इसे गलत तरीके से गोल्डन वीज़ा हासिल करने का सीधा तरीका समझ लिया गया, जबकि ऐसा नहीं है।

यूएई के आईसीपी ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि गोल्डन वीज़ा की श्रेणियाँ, शर्तें और नियम आधिकारिक कानूनों, विधानों और मंत्रिस्तरीय निर्णयों के अनुसार स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं। इससे पहले खबर आई थी कि विकास का इंजन बनने और तेल आधारित अर्थव्यवस्था से अपनी दूरी बनाने की योजना के तहत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने नए वीजा कार्यक्रम की जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में खाड़ी देशों की ओर से निवेशकों, उद्यमियों, वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, एथलीटों और छात्रों के लिए 10 साल तक रहने देने की पेशकश करने के लिए अपने वीजा कार्यक्रम में बदलाव की जानकारी दी गई थी।

'बीएनपी के हथियारबंद गुंडे हिंदुओं, मंदिरों पर हमले कर रहे', शेख हसीना की पार्टी का दावा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) पर हिंदुओं पर हमले का गंभीर आरोप लगाया। अवामी लीग ने कहा कि बीएनपी के कार्यकर्ता हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले कर रहे हैं और उन्हें डरा धमकार देश छोड़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं। अवामी लीग ने बीएनपी के एक नेता का बाकायदा नाम लेकर ये आरोप लगाए।

बीएनपी नेताओं ने हिंदू नागरिक के घर पर किया हमला

अवामी लीग ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'बीएनपी नेता शहीदुल इस्लाम और उसके हथियारबंद गुंडों ने बिजॉय चंद्र रॉय के घर पर हमला किया। बिजॉय चंद्र रॉय बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठा रहे थे।' अवामी लीग ने बताया कि बिजॉय के घर पर हमले की घटना शनिवार को हुई, जब ठाकुरगांव जिले के रुहिया थाना इलाके में धोलारहाट यूनियन में स्थित उनके घर हमला किया गया। शेख हसीना की पार्टी ने कहा कि हमलावरों ने मानसा मंदिर को तबाह कर दिया और दो पवित्र मूर्तियों को भी तोड़ दिया। घरों में तोड़फोड़ की और आगजनी की। हमलावरों ने हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को धमकी दी और बांग्लादेश छोड़कर जाने के लिए धमकाया।

अवामी लीग ने यूनुस सरकार पर उठाए सवाल

अवामी लीग ने सवाल उठाया कि क्या हिंसा, डराना-धमकाना, जातीय सफाया ही बीएनपी के लोकतंत्र का विचार है। अवामी लीग द्वारा लगातार बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को लेकर हमला किया जा रहा है। पार्टी ने एक बयान में कहा कि 'धार्मिक अल्पसंख्यकों के घरों पर हमले, लूट और आगजनी की घटनाएं जारी हैं। ये नरसंहार के बराबर है। मोहम्मद यूनुस की फासीवादी सरकार में ये उत्पीड़न जारी है और अब तो खुद सरकार हिंदुओं के खिलाफ हमला करा रही है।' बांग्लादेश में बीते महीने ही ढाका के खिलखेत इलाके में स्थिति दुर्गा मंदिर को ढहा दिया गया था। वहीं कुछ दिनों पहले ही कुमिला जिले में एक हिंदू महिला के साथ सामूहिक उत्पीड़न किया गया।

जंग लड़ने के लिए ईरान के पास अब कितने दिनों के हथियार बचे हैं?

सऊदी। सऊदी के एक अखबार ने युद्ध के बाद ईरान के हथियारों का आकलन किया है। अल अरबिया ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट की, ईरान के पास अब 1500 बैलिस्टिक और हाइपरसोनिक मिसाइल है। जबकि इजराइल से जंग की शुरुआत में ईरान के पास 3000 के करीब मिसाइल थे।

12 दिनों तक चली भीषण जंग में ईरान ने इजराइल के हमलों को जवाब पूरी तक से दिया था। ईरान ने इन हमलों में करीब 1500 बैलिस्टिक मिसाइल खत्म कर दी है। इजराइल ने खुद पर 500 मिसाइल दागे जाने की पुष्टि की। इजराइल जंग में ईरान ने हर दिन औसतन करीब 100 मिसाइलों से हमले किया। ऐसे में कहा जा रहा है कि ईरान के पास अब आकाशीय युद्ध लड़ने के लिए 15 दिनों का हथियार बचा है।

फिर युद्ध की आशंका

गाजा में युद्ध विराम की नाजुक स्थिति के बावजूद, ईरान ने लगातार अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी है कि अगर उसे उकसाया गया तो वह गंभीर नुकसान पहुंचाने में सक्षम है। ईरानी अधिकारियों का दावा है कि उनका देश दो सालों तक हर दिन मिसाइल हमले झेलने में सक्षम है, लेकिन पश्चिमी सैन्य विशेषज्ञों और खुफिया विश्लेषकों की ओर से इस दावे की लगातार जांच की जा रही है।

'फॉक्स न्यूज' के मुताबिक खुफिया विश्लेषणों से संकेत मिला है कि ईरानी दावे वास्तव में युद्ध के मैदान में हुए भारी नुकसान को छिपाने की कोशिश हो सकते हैं।

रूस-चीन के साथ अपनी ताकत बढ़ाने में लगा ईरान

युद्ध में हुए भारी नुकसान के बाद ईरान चीन और रूस की मदद से अपनी सैन्य ताकत बढ़ाना चाहते हैं। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि चीन और रूस की ओर से ईरान के रक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए मदद आनी शुरू हो गई है। कई जानकार ये भी मानते हैं कि ईरान अपने परमाणु ठिकानों को फिर से रूस की मदद से खड़ा कर रहा है।

व्लादिमीर पुतिन को 24 घंटे में कैसे घुटनों पर ला सकता है अमेरिका, इन 3 प्वॉइंट्स में समझिए

मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन पर बढ़ते रूसी हमले के बीच अमेरिका ने व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ मजबूत घेराबंदी शुरू कर दी है। डोनाल्ड ट्रंप ने खुद इस घेराबंदी की कमान संभाल ली है। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक पुतिन को घुटनों पर लाने के लिए अमेरिका ने पिछले 24 घंटे में बैक टू बैक 3 बड़े फैसले किए।

इन फैसलों में यूक्रेन को हथियार देना, स्पाई जेट को एक्टिव करना और रूस पर सख्त प्रतिबंध का प्रस्ताव तैयार करना है। ब्रिटिश अखबार टेलीग्राफ के मुताबिक ट्रंप अगर चाह ले तो पुतिन को 24 घंटे में घुटनों पर ला सकते हैं। व्हाइट हाउस में व्लादिमीर पुतिन पर डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी के तुरंत बाद सीएनएन ने अमेरिकी राष्ट्रपति का एक पुराना वीडियो चला दिया। इसमें ट्रंप कह रहे हैं- मैंने पुतिन को चेतावनी दे दी है कि अगर आप युद्ध करते हो तो हम सीधे मॉस्को पर बम गिराएंगे। टेलीग्राफ ब्रिटेन के मुताबिक ईरान पर जिस तरीके से बी-2 बम ने हमला किया है। उससे अब रूस का एयर डिफेंस भी सुरक्षित नहीं है।

ईरान के पास रूस का ही एस-300 एयर डिफेंस सिस्टम था, लेकिन अमेरिका के बी-2 बम वाले फाइटर जेट को स्कैन नहीं कर पाया। इतना ही नहीं, हाल ही में यूक्रेन ने रूस के काफी अंदर जाकर ड्रोन अटैक किया था। मॉस्को पर भी लगातार यूक्रेन ड्रोन अटैक कर रहा है। ऐसे में अमेरिकन अटैक से रूस का बच पाना मुश्किल है।

डोनाल्ड ट्रंप अगर चाहेंगे तो आसानी से बी-2 बम रूस पर गिरा सकते हैं। अमेरिका के पास अभी भी 20 से ज्यादा बी-2 बम है। इसे सबसे शक्तिशाली बम माना जाता है। पुतिन केच जखीरे में इस तरह का शक्तिशाली बम नहीं है। रूस के पास परमाणु हथियार है, लेकिन उसे चलाना पुतिन के लिए आसान नहीं है।

दुनिया में युद्ध लड़ने का पैटर्न बदल रहा है। अमेरिका अब हवाई हमले पर जोर दे रहा है। बिना एक भी सेना भेजे उसने ईरान को बैकफुट पर धकेल दिया। ग्लोबल फायर पावर के मुताबिक रूस के पास भले ही सैनिकों की संख्या अमेरिका से काफी ज्यादा है, लेकिन लड़ाकू विमान और मिसाइल के मामले में रूस अमेरिका से काफी पीछे है।

अमेरिका के पास 13 हजार लड़ाकू विमान है। वहीं रूस के पास इसकी संख्या 4300 के करीब है। हेलिकॉप्टर के मामले में भी रूस अमेरिका से फिसड्डी है। अमेरिका के पास 5843 हेलिकॉप्टर है। वहीं रूस के पास इसकी संख्या 1651 है।

इतना ही नहीं, पूरी दुनिया में अमेरिका का एयरबेस करीब 15 हजार के आसपास है। वहीं इस मामले में रूस काफी पीछे है। रूसे के पास 904 हवाई बेस है, जहां से वो अटैक के लिए उड़ान भर सकता है।

युद्ध लड़ने के लिए हथियार के साथ-साथ सीक्रेट जानकारी और पैसों की जरूरत होती है। वर्तमान में दोनों मामले में रूस से अमेरिका काफी आगे है। रूस पिछले 3 साल से यूक्रेन से जंग लड़ रहा है, जिसके कारण उस पर काफी प्रतिबंध लगे हैं।

जंग में साथ देने के लिए अमेरिका के पास वर्तमान में फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, इजराइल और जापान जैसे प्रमुख सहयोगी है। ये देश मिलिट्री पावर में काफी आगे है। रूस के पास उत्तर कोरिया को छोड़कर कोई भी विश्वसनीय सहयोगी नहीं है।

हमास के इजराइल पर हमले में गौशाला भी हो गई थीं तबाह, अब नए आसरे में लौट रहीं 600 गाय

हमास। करीब 2 साल पहले इजराइल पर हुए हमास के हमले से गाजा सीमा क्षेत्र में स्थित किबुत्ज़ किसुफिम का एक डेयरी फार्म भी प्रभावित हुआ था। इस फार्म में हमास लड़ाकों के घुसने के बाद इजराइल सेना और लड़ाकों के बीच हुई गोलीबारी में फार्म का काफी नुकसान पहुंचा था। बाद में इस फार्म को बंद कर दिया गया था और यहां रहने वाली गायों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया था।

इजराइल के चैनल 12 न्यूज़ ने बुधवार को बताया किबुत्ज़ के डेयरी फार्म को नष्ट किए जाने के लगभग दो साल बाद, किबुत्ज़ किसुफिम में लगभग 600 गायें वापस लौट आई हैं। गायों को अब एक नई बनी, अत्याधुनिक गौशाला में रखा गया है। सरकार ने इस परियोजना पर लगभग 17 मिलियन इजराइली शेकल खर्च किए हैं, जिसमें कृषि मंत्रालय के माध्यम से आवंटित 1.4 मिलियन

शेकल भी शामिल है।

कैसे हुई थी गौशाला?

हमास के हमले के समय कुछ लड़ाके इस डेयरी फार्म में घुस गए थे और डेयरी प्रबंधक, रूवेन हेनिक और कई कर्मचारियों को बंधक बना लिया था। मारिव की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना ने हमास लड़ाकों से जारी टकराव खत्म करने के लिए टैंक से गौशाला पर गोलाबारी कर दी थी, जिसके बाद हमास लड़ाकों के साथ-साथ गौशाला को भी भारी नुकसान हुआ है।

21 महिने तक कहा रहीं गाय?

हमले के बाद फार्म को बंद कर दिया था और गायों को गिलगाल स्थानांतरित कर दिया गया था, जहां वे लगभग 21 महीने तक रहीं। बता दे नए डेयरी फार्म से सालाना लगभग पांच मिलियन लीटर दूध उत्पादन होने की उम्मीद है, जो युद्ध से पहले के उत्पादन की तुलना में 25 फीसद ज्यादा है। किसुफिम में इस नई गौशाला के निर्माण में एक आधुनिक 40 स्टॉल वाला दूध देने वाला पार्लर भी शामिल है, जिसने अब परिचालन शुरू कर दिया है।

दिल्ली दंगा केस: मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाई... कड़कड़डूमा कोर्ट ने आरोपी लोकेश कुमार सोलंकी को सुनाई सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली दंगों में गोकुलपुरी इलाके में हुई हिंसा से जुड़े मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने आरोपी लोकेश कुमार सोलंकी को IPC की धारा 153A और 505 के तहत सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा लोकेश कुमार सोलंकी ने अपने मैसेजों के जरिए से मुसलमानों के प्रति वैमनस्य, शत्रुता और घृणा को बढ़ावा देने की कोशिश की। आरोपी लोकेश कुमार सोलंकी पर साल 2020 में दंगों के दौरान हत्या करने का आरोप लगा था।

कोर्ट ने कहा कि लोकेश सोलंकी का मकसद ग्रुप के दूसरे सदस्यों को डराना और मुसलमानों के विरुद्ध अपराध करने के लिए उकसाना था। कोर्ट ने कहा कि फरवरी 2020 के तनावपूर्ण दौर में सोलंकी ने मुस्लिम समुदाय के प्रति शत्रुता और नफरत फैलाने वाले संदेश फैलाकर पहले से ही सुलग रहे तनाव को और भड़काया।

आरोपी लोकेश कुमार सोलंकी को 2020 के दंगों के बाद पुलिस ने पकड़ा था। लोकेश के साथ दंगों के दौरान 2 लोगों की हत्या के मामले में पुलिस ने हत्या के आरोपी 12 लोगों को पकड़ा था। हालांकि, मार्च में दिल्ली की एक अदालत ने आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने इस मामले में कहा था कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिससे पता चल सके कि उनमें से कोई भी आरोपी भीड़ का सदस्य था।

साथ ही गोकलपुरी पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ दर्ज दो मामलों की सुनवाई कर रहे एडिशनल सेशन जज पुलस्त्य प्रमाचला ने कहा, इनमें से एक लोकेश कुमार सोलंकी की ओर से दो हत्याओं की बात कबूल करने के संबंध में व्हाट्सऐप पर की गई बातचीत ठोस सबूत नहीं है। FIR के अनुसार, गोकलपुरी में आमीन और भूरे अली को दंगाइयों ने मार डाला था। फिर उनके शव को 25 और 26 फरवरी 2020 को नालों में फेंक दिया गया था। वहीं, दूसरी तरफ दिल्ली 2020 दंगों के मामले में आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर हाईकोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। फरवरी 2020 के दंगों के मामले में आरोपियों की जमानत याचिकाओं के खिलाफ दिल्ली पुलिस की ओर से बहस करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बुधवार (9 जुलाई, 2025) को दिल्ली हाईकोर्ट में कहा कि राष्ट्र के खिलाफ काम करने के आरोपियों को तब तक जेल में रहना चाहिए जब तक कि उन्हें दोषी नहीं ठहराया जाता या बरी नहीं कर दिया जाता।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, अगर आप अपने देश के खिलाफ कुछ कर रहे हैं, तो बेहतर होगा कि आप तब तक जेल में रहें जब तक आपको बरी या दोषी न ठहराया जाए। उन्होंने आगे कहा, देश की राजधानी में दंगा हुआ जिसमें 100 पुलिसकर्मी और 41 अन्य लोग घायल हुए और एक पुलिसकर्मी की जान चली गई।

कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

उन्होंने उमर खालिद, शरजील इमाम, मोहम्मद सलीम खान, शिफा-उर-रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी और गुलफिशा फातिमा सहित कई आरोपियों की ओर से "बड़ी साजिश" मामले में दायर जमानत याचिकाओं के जवाब में जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शैलिंदर कौर की बेंच के सामने दलील दी।

कारगिल के हीरो 'जगुआर' के संन्यास का आ गया समय? 45 साल की सेवा में लगी 50 से ज्यादा 'चोट'

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान के चुरू में बुधवार को जगुआर लड़ाकू विमान हादसे का शिकार हो गया, जिसमें भारतीय वायुसेना के दो पायलट की जान चली गई। इस घटना के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या सेना के इस हीरो को चरणबद्ध तरीके से हटाने का समय आ गया है। इस साल मार्च के बाद से इस लड़ाकू विमान से जुड़ा यह तीसरा हादसा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वायुसेना में अपनी 45 साल की सेवा के दौरान इस विमान बेड़े को 50 से ज्यादा बड़ी और छोटी दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ा है, जिनमें से कुछ जानलेवा भी रही हैं। भारतीय वायु सेना को अपना पहला जगुआर 1979 में मिला था। जगुआर से लैस पहला स्क्वाड्रन नंबर 14 स्क्वाड्रन था, जिसे 'बुल्स' के नाम से भी जाना जाता था। यह अंबाला वायु सेना स्टेशन पर स्थित था। भारत ने शुरुआत में जगुआर को शमशेर नाम से खरीदा था। इन विमानों का निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) द्वारा लाइसेंस के तहत भारत में किया गया था। वायु सेना वर्तमान में छह स्क्वाड्रनों में लगभग 115 से 120 SEPECAT जगुआर विमानों का संचालन करती है।

जगुआर विमान का इस्तेमाल 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी किया गया था, लेकिन सीधे बॉम्बिंग ऑपरेशन के लिए नहीं। इसके बजाय उसने एक महत्वपूर्ण सहायक भूमिका निभाई। भारतीय वायुसेना 2027-28 से अपने पुराने जगुआर मॉडलों को चरणबद्ध तरीके से हटाना शुरू कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पूरी तरह से चरणबद्ध तरीके से विमानों को हटाने की योजना 2035-2040 तक है।

लगभग 50 से अधिक दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। 2015 तक लगभग 65 विमान नष्ट हो गए। प्रत्येक उड़ान घंटे के लिए लगभग 20 घंटे के रखरखाव की आवश्यकता होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, जगुआर लड़ाकू विमानों से संबंधित अधिकांश दुर्घटनाएं रोल्स रॉयस/टर्बोमेका एडोर एमके 804 और एमके 811 इंजनों में खराबी के कारण हुईं। एक रिपोर्ट में रॉयल एयर फ़ोर्स के पूर्व प्रशिक्षक टिम डेविस ने कहा, इंजन और एवियोनिक्स अपग्रेड के बाद भी आपको एयरफ्रेम थकान की समस्या का सामना करना पड़ता है।

कोई 50-50 फॉर्मूला नहीं, डीके शिवकुमार कह चुके- CM पद पर वैकेंसी नहीं, सिद्धारमैया बोले- मैं ही कर्नाटक का मुख्यमंत्री

हैदराबाद, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, वो पूरे पांच साल के कार्यकाल तक इस पद पर बने रहेंगे। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार में संभावित सत्ता परिवर्तन के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा, सीएम पोस्ट के लिए कोई वैकेंसी नहीं है।

सीएम सिद्धारमैया ने कहा, सीएम परिवर्तन के लिए कोई चर्चा नहीं है। डीके शिवकुमार ने खुद कहा है कि सीएम पोस्ट के लिए कोई वैकेंसी नहीं है। साथ ही यह सामने आ रहा था कि दोनों के बीच सत्ता संभालने को लेकर 50-50 फॉर्मूला है, जिसको खारिज करते हुए सिद्धारमैया ने कहा, कोई 50-50 फॉर्मूला नहीं है।

सिद्धारमैया ने अटकलों पर लगाया विराम

सीएम सिद्धारमैया ने कहा, आलाकमान की तरफ से जो भी निर्णय लिया जाएगा, हम उसका पालन करेंगे। मैं कर्नाटक का मुख्यमंत्री हूं। मैं यहां बैठा हूं। कर्नाटक में सीएम के लिए कोई पद खाली नहीं है। सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि वह पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने आज राहुल गांधी से मिलने के लिए समय मांगा है।

सीएम की यह टिप्पणी तब सामने आई है जब सत्ता परिवर्तन को लेकर लगातार अटकलें तेज थी। इसी बीच सामने आया है कि डीके शिवकुमार ने चर्चाओं को और बढ़ाते हुए बुधवार को दिल्ली में वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से उनके आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात से भले ही सियासी हलचल बढ़ गई हो, लेकिन शिवकुमार ने चर्चा को लेकर कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया।

डीके शिवकुमार ने प्रियंका गांधी से की मुलाकात

डीके शिवकुमार को 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद अहम दावेदार के रूप में देखा जा रहा था। हालांकि, शिवकुमार ने बुधवार को कैबिनेट फेरबदल या नेतृत्व परिवर्तन की किसी भी योजना से इनकार किया था। शिवकुमार ने कहा, कैबिनेट में कोई फेरबदल की योजना नहीं है। मैं और मुख्यमंत्री राज्य के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए केंद्रीय मंत्रियों से मिल रहे हैं। सरकार के कार्यकाल के बीच में सिद्धारमैया की जगह लेने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा, "यह मीडिया की अटकलें हैं" और "ऐसा कोई प्लान नहीं है।"

सिद्धारमैया राहुल गांधी से करेंगे मुलाकात

कांग्रेस नेतृत्व ने भी इन अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल ही में कहा था कि फेरबदल का कोई प्रस्ताव नहीं है और अगर कोई फैसला लिया गया तो मीडिया को सूचित किया जाएगा। हालांकि, सीएम सिद्धारमैया ने बताया कि उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात का समय मांगा है।

पुरानी फिल्मों के किरदार से प्रेरणा नहीं लेते राजकुमार राव, बोले- खुद को सीमित नहीं रखना चाहता

अक्सर सितारे किरदार अदा करते हुए पुरानी फिल्मों के किरदार से प्रेरणा लेते हैं। कनेक्ट करने के लिए पुरानी फिल्मों को देखते हैं। मगर, राजकुमार राव के मामले में ऐसा नहीं है। वे पुरानी फिल्मों से प्रेरणा नहीं लेते, बल्कि अपनी मौलिकता पर फोकस करते हैं। हाल ही में खुद उन्होंने यह बात कही है।

पुरानी फिल्मों से प्रेरणा लेने से बचते हैं राजकुमार राव

राजकुमार राव इन दिनों फिल्म 'मालिक' को लेकर सुर्खियों में हैं। वे हाल ही में फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में इंदौर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने फिल्म को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। साथ ही बताया कि वे पुरानी फिल्मों से प्रेरणा नहीं लेते हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अभिनेता राजकुमार राव ने बुधवार को कहा कि वे अभिनय करते समय मौलिकता पर ध्यान देते हैं। किसी भी किरदार को निभाने के लिए वे पुरानी फिल्मों से प्रेरित होने से बचने की कोशिश करते हैं।

किरदार अदा करते वक्त नहीं देखते पुरानी फिल्म

फिल्म 'मालिक' 11 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में राजकुमार राव के साथ प्रोसेनजीत चटर्जी और मानुषी छिल्लर भी हैं। फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में इंदौर पहुंचे राजकुमार राव से पूछा गया कि क्या उन्होंने एक्शन भूमिका निभाने के लिए पुरानी फिल्मों से प्रेरणा ली? इस पर राजकुमार राव ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो जब मैं किसी फिल्म की शूटिंग कर रहा होता हूं, तो उस समय मैं उस खास तरह की कोई पुरानी फिल्म देखने की कोशिश नहीं करता। मैं चाहता हूं कि मैं जो भी किरदार निभाऊं, वह पूरी तरह से मौलिक हो और मेरी कल्पना और फिल्म की कहानी से उभरे'।

किरदारों के साथ प्रयोग करने के लिए जाने जाते हैं राजकुमार राव

अभिनेता ने कहा कि अगर वे अवचेतन मन में किसी पुरानी फिल्म के अच्छे सीन को दोहराने की कोशिश करेंगे तो उनके अभिनय की मौलिकता खत्म हो जाएगी। राजकुमार राव को फिल्मों में अपने किरदार के साथ प्रयोग करने के लिए जाना जाता है। एक्टर ने कहा, 'एक अभिनेता के तौर पर मैं खुद को एक ही भूमिका तक सीमित नहीं रखना चाहता। मैं हर साल कम से कम एक ऐसा किरदार निभाना चाहता हूं, जो आपको चौंका दे और आपको यह सोचने पर मजबूर कर दे कि आपने मुझसे इस तरह के अभिनय की उम्मीद नहीं की थी'।

तन्वी द ग्रेट का पहला गाना सेना की जय जारी, 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

अनुपम खेर के निर्देशन में बनी फिल्म तन्वी द ग्रेट का पहला गीत सेना की जय हाल ही में रिलीज़ हुआ और इसने दर्शकों के दिलों को गहराई से छूलिया है। यह गीत भारतीय सेना के साहस, समर्पण और बलिदान को सलाम करता है। ऑस्कर विजेता एम.एम. कीरावाणी द्वारा संगीतबद्ध, कौसरमुनीर द्वारा लिखे गए और शगुन सोढी की आवाज़ में गाए गए इस गीत में गर्व, भावना और देशप्रेम की गूंज साफ सुनाई देती है। गीत में नायिका तन्वी—जिसका किरदार निभा रही हैं नवोदित अभिनेत्री शुभांगी दत्त—सेना के जवानों के बीच नृत्य करती नज़र आती हैं। खास बातयह है कि तन्वी एक ऑटिस्टिक बच्ची है, और वह अपनी भावनाओं को शब्दों से नहीं, बल्कि कला के ज़रिए व्यक्त करती है। इस सीन में करन टैकर,जो फिल्म में उनके पिता और एक सैनिक की भूमिका निभा रहे हैं, भी उनके साथ शामिल होते हैं। यह दृश्य न केवल दर्शकों को भावुक करता है, बल्कि यह सैनिकों के प्रति एक नई पीढ़ी की संवेदनशील श्रद्धांजलि भी बन जाता है। सेना की जय नृत्य, संगीत और देशभक्ति को इस तरह से जोड़ता है, जो परंपरागत देशभक्ति गीतों से अलग है। गीत की कोरियोग्राफी में ऊर्जा है, लेकिन उसके पीछे भावनात्मक गहराई भी है। एम.एम. कीरावाणी का संगीत तन्वी की जटिल लेकिन मासूम दुनिया को सजीव कर देता है—जहाँ हरताल, हर सुर, उसकी भावनाओं का प्रतिबिंब बन जाता है। यह सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि एक नज़र है उस गहराई में जहाँ एक बच्ची अपने तरीके सेभारत माता को नमन करती है। तन्वी द ग्रेट अनुपम खेर स्टूडियोज़ और एनएफडीसी के सहयोग से निर्मित है और 18 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। फिल्म में शुभांगी दत्तके अलावा जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, करन टैकर, नासिर और गेम ऑफ थ्रोन्स फेम इयान ग्लेन जैसे दिग्गजकलाकार शामिल हैं। अगर सेना की जय गीत को देखा जाए, तो ये फिल्म एक दिल छू लेने वाली कहानी पेश करने वाली है—देश, परिवार औरभावनाओं की भाषा में।

'रहना है तेरे दिल में' गाने की ट्यून सुन नॉस्टैल्जिक हुईं दीया, बोलीं- 'इस प्यार के लिए आभारी हूं'

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने आज बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो शेयर की है। इसके साथ उन्होंने फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' के गाने की म्यूजिक ट्यून लगाई है और पुरानी यादों में खो गई हैं।

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने साल 2001 में फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' के जरिए एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू किया। इसमें वे आर.माधवन के अपोजिट नजर आईं। यह फिल्म दर्शकों को बेहद पसंद आई। साथ ही फिल्म का म्यूजिक भी हिट रहा। आज बुधवार को दीया ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस फिल्म के एक गाने का जिक्र किया है।

दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी एक सेल्फी शेयर की है, जिसमें वे मुस्कुराती नजर आ रही हैं। इसके साथ 'रहना है तेरे दिल में' की म्यूजिक ट्यून लागई है। उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'इस धुन ने कई मायनों में मेरी एडल्ट लाइफ के गाने को परिभाषित किया है'।

दीया ने लिखा- 'आभारी हूं'

दीया ने आगे लिखा है, 'मैं 19 साल की थी, जब मैंने बच्चों के साथ बारिश में डांस किया था। यह पहला सीन था, जिसने मुझे एक कलाकार के रूप में दर्शकों के सामने पेश किया। एक ऐसी फिल्म में, जिसका टाइटल उम्मीद दिखाता है और जीवन यात्रा को परिभाषित करता है। फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' - तब, अब और हमेशा। आप लोगों ने फिल्म में मुझे अपनाया, इतना प्यार दिया इसके लिए आभारी हूं'।

नेटिजन्स ने की तारीफ

दीया मिर्जा के इस पोस्ट पर नेटिजन्स रिएक्ट कर रहे हैं। साथ ही फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'कुछ खूबसूरती ऐसी होती हैं, जो कभी कम नहीं होती'। एक यूजर ने लिखा, 'एकदम रीना वाइब्स वाली पोस्ट'। बता दें कि फिल्म में दीया ने रीना मल्होत्रा का रोल अदा किया था। बीते वर्ष इस फिल्म को सिनेमाघरों में री-रिलीज किया गया था।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com